हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, गुरुवार, 3 जुलाई 2025

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

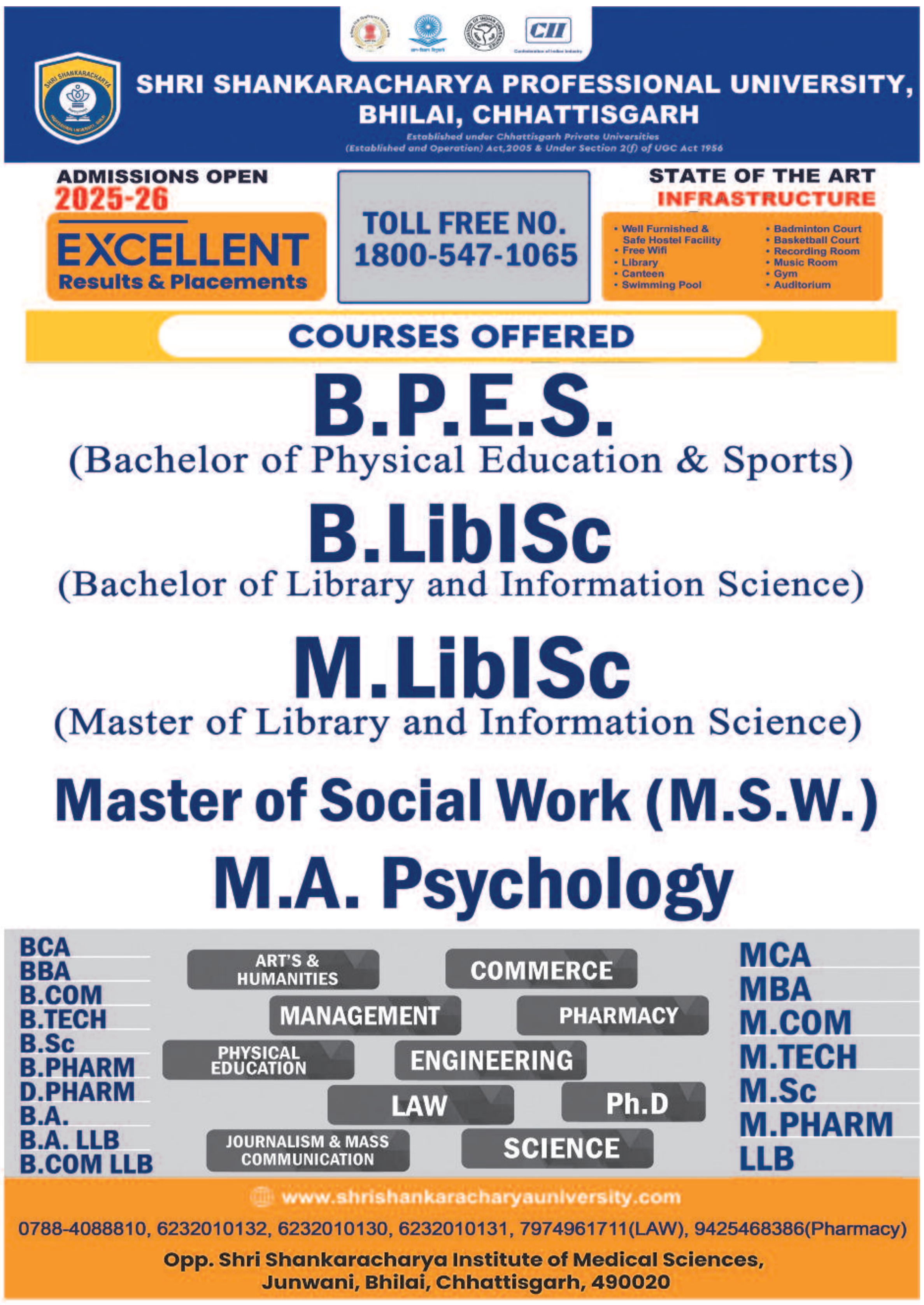

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में हेनित को मिला अवार्ड

नंदिनी-अहिवारा। गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नंदिनी अहिवारा के तीसरी कक्षा के छात्र हेनित जैन को अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में प्रशस्ति पत्र के साथ अवार्ड दिया गया है। कक्षा तीसरी के छात्र हेनित जैन बचपन से ही प्रतिभावान होने के कारण विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभागी रहे है। अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2024 में उन्हें नई दिल्ली में सम्मानित किया या। इस अवसर छात्र की माता श्रीमती पदमा जैन उपस्थित थी।

सेवाभावी चिकित्सकों का किया सम्मान

सेलूद। डॉक्टर्स डे के अवसर पर सक्षम जन फाउंडेशन के सदस्यों ने चिकित्सकों का सम्मान किया। जिसमें डॉ भावना पॉल, डॉ सुनीता पीटर, डॉ जायसी व श्रीमति वंदना चौधरी को सम्मानित करते हुए उन्हें रामायण और साड़ी डायरी उपहार स्वरुप प्रदान की गई 1 कार्यक्रम में सक्षम जन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन, हीरेंद्र साहू, पंच गन नीतू बंछोर, अनुपमा देवांगन सुनीता ठाकुर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष भाजपा खेमलाल साहू पूर्व सरपंच श्रीमति ख़मीन साहू चमन्न लाल साहू, लक्ष्मण वर्मा, जीवन लाल साहू उपस्थित रहे। डॉ भावना पाल ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी को पौधा प्रदान किया 1 प्रमोद जैन ने वहाँ की व्यवस्था और आयुर्वेदिक हॉस्पिटल की सराहना करते हुए औषधि गार्डन की प्रशंसा की। पूर्व सरपंच खेमिन साहू ने सभी चिकित्सको को डॉक्टर्स दे के अवसर पर बधाई दिए।

निधन

पचकौड साहू

भिलाई। ग्राम ढौर निवासी पचकौड साहू उम्र 93 वर्ष का निधन 1 जुलाई को हो गया। उनका अतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। वे जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष नंदलाल साहू के ससुर थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

:: उदघोषणा ::

रा.प्र.क्र. 202409103000006 / ब - 121 / वर्ष 2023-2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है किं कार्यालय कलेक्टर महोदय के आवेदन पत्र दिनांक 07/08/2024 आवेदक फुदुकराम साहू पिता रामाधीन साहू निवासी - वार्ड नं.- 16, धनोरा तहसील व जिला दुर्ग द्वारा आवेदक को ग्राम धनोरा प.ह.नं. 53 स्थित भूमि खसरा नंबर 187 रकबा 1.50 एकड/0.600 हे. शासन से 1976-77 में पट्टा पर प्राप्त हुआ था, तत्पश्चात् आवेदक का शासन द्वारा उपरोक्त भूमि पर भूमिस्वामी अधिकार सन् 1988-89 में प्रदान किया गया है आवेदक उपरोक्त भूमि खसरा नंबर 1087 रकबा 1.50 एकड़ / 0.600 हेक्टेयर भूमिस्वामी कास्तकार है। आवेदक को ग्राम धनोरा स्थित भूमि खसरा नंबर 1087 रकबा 1.50 एकड़ / 0.600 हे. को किशोर कुमार पटेल पिता श्री नाथू भाई पटेल पता- वार्ड नं. 21, कन्हैया सॉ मिल कम्पाउण्ड' मठपारा राजनांदगांव छ.ग. के पास विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 14/07/25 स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/6/24 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से शहर को मिलेगी दो बड़े प्रोजेक्ट की सौगात

राजेन्द्र पार्क से आईएमए चौक और धमधा मार्ग से बनेगी फोरलेन सड़क

दोनों प्रोजेक्ट में खर्च होंगे 25 करोड़, यातायात दबाव से मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत शहर में 25 करोड रूपए की लागत से दो बडे फोरलेन सडक का निर्माण होगा। इस चौडीकरण योजना का डीपीआर बनाकर नगरनिगम ने राज्य शासन को भेज दिया है। इस प्रस्ताव में राजेन्द्र पार्क से शहीद चौक और शहीद चौक से आईएमए चौक तक फोरलेन सडक बनेगी, वही दूसरी तरफ धमधा मार्ग से आदित्य नगर होकर रायपुर अंडरब्रिज की ओर हनुमान नगर तक चौडीकरण किया जाएगा। राज्य शासन से प्रस्ताव की स्वीकृति मिलने के बाद दोनो कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत प्रदेश के निकायों को फंड उपलब्ध करा रही है। इस योजना से शहर में बढते यातायात दबाव को कम करने में राहत मिलेगी। राजेन्द्र पार्क से शहीद चौक होते ही आईएमए चौक तक फोरलेन का निर्माण करने 13 करोड का प्रस्ताव भेजा गया है। राजेन्द्र पार्क से रेल्वे स्टेशन की ओर यातायात दबाव अधिक होता है। यहां से रेल्वे स्टेशन जाने और धमधा, बेमेतरा जाने के लिए सडक का उपयोग किया जाता है। जिसके चलते दिनभर सडको में न सिर्फ वाहनों का दबाव बल्कि आसपास के लोगों को सकरी सडक के चलते पार्किंग की समस्या भी झेलनी पडती है। बडी बात यह है कि, इस मार्ग में सडक किनारे मनमानी पार्किंग से आय दिन दुर्घटना की स्थिति निर्मित होते रहती है। पार्किंग के चलते यहां सडक सक्रीय हो रही है। यहां दो पहिया से लेकर बस व हैवी ट्रके भी चलती है। लेकिन फोरलेन का निर्माण होने से दोनो ओर चालीस फीट से अधिक की चौडाई मिलेगी।

बिजली पोल हटाने में खर्च होंगे सवा दो करोड़

नगरनिगम द्वारा दोनो प्रोजेक्ट की डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) विगत 17 अप्रैल 2025 को भेज दिया गया है। इसमें नगरनिगम के सामने चौडीकरण के पहले बिजली पोल हटाने की चुनौती है। हांलाकि इसका खर्च इसी योजना के तहत किया जाएगा। दोनो प्रोजेक्ट में करीब 23 करोड रूपए खर्च होगें, वही शेष राशि का उपयोग बिजली पोल हटाने में किया जाएगा। जानकारी अनुसार राजेन्द्र पार्क से शहीद चौक और आईएमए चौक तक पोल हटाने में 1 करोड 58 लाख खर्च होगें, वहीं आदित्य नगर से हनुमान चौक तक पोल हटाने में 61 लाख चालीस हजार रूपए खर्च किए जाएंगे। बहरहाल नगरनिगम को बिजली कंपनी द्वारा डिमांड नोट जारी कर दिया गया है। नगरनिगम द्वारा कंपनी को राशि जमा किए जाने के बाद पोल हटाने की कार्यवाही पहले की जाएगी।

दूसरी बड़ी योजना धमधा मार्ग का चौड़ीकरण

राजेन्द्र पार्क से आईएमए चौक के आलावा इस योजना के तहत धमधा मार्ग से आदित्य नगर होते हुए रायपुर अंडरब्रिज की ओर हनुमान नगर तक जुनवानी रोड में आकर मिलेगी। यहां भी फोरलेन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 10 करोड 27 लाख रूपए का डीपीआर तैयार किया गया है। यह मार्ग भी स्टेट हाईवे होने के कारण यहां बेहद दबाव बना रहता है।

बीच में डिवाइजर और लाइटें भी लगेगी

डीपीआर में फोरलेन चौडीकरण में 40-40 फीट की सडके बनेगी। बीच में डिवाइडर बनाया जाएगा। वही स्ट्रीट लाइटो का भी समावेश रहने से यहां आवाजाही में सहुलियत होगी। दोनो प्रोजेक्ट में न सिर्फ सडक चाडीकरण बल्कि दोनो ओर नालियों का भी निर्माण किया जाएगा। अफसरों ने बताया कि, नगरोत्थान योजना को वर्ष 2025-26 के बजट में भी शामिल किया गया है, जिससे यह तय है कि, जल्द ही शासन राशि जारी करेगी।

दोनों प्रोजेक्ट से होगा ये लाभ

राजेन्द्र पार्क से शहीद चौक, आईएमए चौक तक चौडीकरण होने से इंदिरा मार्केट की ओर यातायात दबाव कम होगा। वर्तमान में रायपुर और राजनांदगांव व बालोद से आने वाले लोग रेल्वे स्टेशन जाने इंदिरा मार्केट का उपयोग करते है, यहां दबाव कम होगा। लेकिन राजेन्द्र पार्क में चौडीकरण होने से लोग सीधे उसी रास्ते से रेल्वे स्टेशन तक पहुंच सकते है। वहीं राजेन्द्र पार्क से शहीद चौक तक सडक दुर्घटना में कमी आएगी। दूसरा बडी राहत रायपुर से आने वाले वाहन चालक रेल्वे स्टेशन पहुंचने आईएमए मार्ग का उपयोग कर सीधे पहुंच सकेगें।

प्रस्ताव भेजा

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत 25 करोड रूपए जारी किया जाना है। इसके लिए राजेन्द्र पार्क और धमधा मार्ग से होकर दो फोरलेन सडक का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा जा चुका हैं।
-सुमीत अग्रवाल, आयुक्त नगरनिगम दुर्ग

खाद बीज संकट को लेकर किसानों के साथ कांग्रेसियों ने भी धरना देकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

दुर्ग ग्रामीण की वृहताकार सेवा सहकारी समिति मर्यादित नगपुरा में क्षेत्र के नगपुरा, बोरई,दामोंदा,खुर्सीडीह,अंजोरा, कोटनी, मोहलई के सैकड़ों किसानों ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ वर्तमान में डी ए पी खाद ,बीज सहित अन्य खाद की किल्लत को लेकर धरना दिया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उल्लेखनीय है कि

- राज्य शासन पर लगाया किसानों को परेशान करने का आरोप

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश और जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में किसानों की खाद-बीज की समस्या को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि राज्य की भाजपा सरकार के गलत निर्णय व नीति के कारण किसानों को खेती करने में मुश्किलें आ रही है। पहली बार आम लोगों को लग रहा है कि सरकार समय में खाद,बीज उपलब्ध करवाने में फैल रही

है। डी ए पी खाद का संकट तो है ही किंतु इसके साथ ही कृषकों को खेती के जरूरी अन्य खाद यूरिया, राखड़ और पोटाश सहित 12:32:16, 14:28:14, 28:28:00, 20:20:00:13 जैसी अन्य मिश्रित खाद भी सोसाइटी में उपलब्ध नहीं है किसान खाद की पर्ची कटा चक्कर लगाने मजबूर हैं,किसान खेती में बीज बोना छोड़कर खाद के लिए भटक रहें है। धरना के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रिवेंद्र यादव ने कहा कि विष्णुदेव साय सरकार बाकी मोर्चे में फिसड्डी साबित होने के साथ ही किसानों के मामले में भी फेल हो गई है। अन्नदाता किसानों को डी ए पी खाद ,बीज सहित अन्य खाद उपलब्ध नहीं करवाने के पीछे का मकसद किसान की मेहनत पर पानी फेर धान की फसल के भरपूर उत्पादन को रोकना है। ताकि सरकार, पिछले भूपेश बघेल सरकार के किसान हितैषी नीतियों धान की उच्चतम कीमत तय कर 20 क्विंटल तक धान खरीदी के निर्णय के दबाव में चुनावी वादा 21 क्विंटल धान प्रति एकड़ खरीदना न पड़े। प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन ने आरोप लगाया कि यह सरकार सोसाइटियों में कोई भी खाद ,बीज उपलब्ध नहीं करवा पा रही है और बाहर बाजार में यही डी ए पी व अन्य खाद खुलेआम मनमाफिक कीमत में बेचा जा रहा है।

शुभम छात्रवृत्ति कोष में दान वर्मा की स्मृति में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

समाजसेवी संदीप वर्मा की पांचवीं पुण्यतिथि पर परिवार वालों ने छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी छत्रिय समाज पाटन राज द्वारा संचालित शुभम छात्रवृत्ति कोष में 10000 दान किया। स्वर्गीय संदीप वर्मा की के पिता छविराम वर्मा ने अपने नाती अथर्व वर्मा के हाथों जरूरतमंद विद्यार्थियों की पढ़ाई में सहयोग के उद्देश्य से 10000 दान पाटन राज मानव कुर्मी समाज के राज प्रधान युगल आडिल को भेट किया। छबिराम ने बताया कि प्रारंभ से बच्चों की पढ़ाई एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के सहयोग के लिए हमेशा आगे रहे स्व संदीप वर्मा सहायक संचालक रेशम विभाग में पदस्थ थे।

समूह को मिले स्वच्छता किट और लाऊडस्पीकर

सेलूद। ग्राम पंचायत सेलुद द्वारा स्वच्छता समूह की सदस्यों को स्वच्छ्ता किट व लाऊडस्पीकर का वितरण किया गया। इस दौरान सरपंच खिलेश मारकंडे ने कहा कि इस पहल से समुदायों में स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वही लाऊडस्पीकर के उपयोग से घरो में कचरा इकट्ठा करने मे सुविधा होगी। इस अवसर पर रमेश कश्यप, झम्मन यद्दु, सत्याभामा बंछोर और उर्वशी बंछोर सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सर्विस लेन पर खड़े वाहनों पर कार्रवाई शुरू, 70 पर जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

घड़ी चौक से पावर हाउस मार्ग में सर्विस लेन पर लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या रहती थी। अतिक्रमण इसकी प्रमुख वजह रही। हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से

- भिलाई निगम और ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

प्रकाशित किया। इसके बाद बुधवार को ट्रैफिक पुलिस और भिलाई निगम की संयुक्त टीम ने मार्ग पर जांच की। सर्विस लेन पर अतिक्रमण करने

वाले वाहनों पर कार्रवाई की। 70 से ज्यादा वाहनों से जुर्माना वसूला गया।

इसके अलावा कबाड़ खड़े वाहन के मालिकों को नोटिस जारी कर तत्काल इन्हें हटाने निर्देशित किया। अन्यथा वाहनों की जब्ती के लिए अल्टीमेटम दिया।भिलाई के मुख्य मार्ग जीई रोड से लगे सर्विस रोड में बेतरतीब खड़े दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों को व्यवस्थित कर यातायात को सुगम बनाने नगर निगम एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शहर में लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव को कम करने तथा सुगम और व्यवस्थित आवागमन के लिए जी. ई. रोड से लगे सर्विस रोड में बेतरतीब खड़े वाहनों को हटाने तथा चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यातायात पुलिस की टीम के साथ नगर निगम भिलाई की टीम ने चंद्रा मौर्या सिनेमा चौक से सर्विस रोड में खड़ी वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन मालिकों को समझाईश दी गई कि आगामी दिनों में वाहन सड़क पर पाये जाने पर चालानी तथा जप्ती की कारवाई की जाएगी।

अंचल की खबरें

संकुल कुथरेल में मनाया शाला प्रवेश उत्सव

अंडा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कुथरेल में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोमश चंद्राकर जनपद सदस्य एवं विशेष अतिथि समग्र शिक्षा कार्यालय से विवेक शर्मा एपीसी ,गीता गजपाल सरपंच कुथरेल एवं समस्त पंच गण थे। मुख्य अतिथि लोमश चंद्राकर ने अपने उदबोधन में शा पूर्व मा शाला कुथरेल में जनपद सदस्य मद से टॉयलेट निर्माण कराने की घोषणा की।विवेक शर्मा ए पी सी ने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। ततपश्चात जनप्रतिनिधियों ने सभी नवप्रवेशी बच्चों का मुंह मीठा कराते हुये गणवेश वितरण , पाठ्यपुस्तक एवम,संकुल मद से सभी नवप्रवेशी बच्चों को कॉपी वितरण किया गया। कन्या प्राथमिक शाला के छात्राओ ने नृत्य की प्रस्तुति दी। ततपश्चात सभी अतिथियों ने शाला प्रांगण में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर संकुल कुथरेल के समस्त संस्था प्रमुख इंदुमलिक प्राचार्य,राधेलाल चंद्राकर प्रधान पाठक अछोटी, राकेश बैस प्रधान पाठक कन्या पूर्व मा शाला कुथरेल,प्रेम लाल साहू प्रधान पाठक अछोटी भाठा, जनक यादव प्रधान पाठक बालक कुथरेल , रीना चंदेल ,प्रधान पाठक अछोटी, उमा शुक्ला कन्या प्रा शाला कुथरेल ,ललिता देशमुख प्रधान पाठक भरदा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत मे संकुल समन्वयक विवेकानंद दिल्लीवार आभार व्यक्त किया।

नव प्रवेशी व प्रतिभाशाली बच्चों का हुआ सम्मान

अंडा। शासकीय प्राथमिक,माध्यमिक शाला परसदा डंगनिया मे शाला प्रवेश उत्सव धूम धाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर अध्यक्ष जिला पंचायत बालोद, विशेष अतिथि पुरुषोत्तम चंद्राकर, अध्यक्ष जनपत पंचायत गुण्डरदेही, कांति सोनेश्वरी जिला पंचायत सदस्य, कुलदीप साहू मंडल अध्यक्ष ओटेबंद और नवीन यादव शिक्षा अधिकारी गुण्डरदेही थे। अध्यक्षता सत्यवती साहू सरपंच परसदा ने की। इस दौरान कक्षा पहली से 6 वी में नव प्रवेशी बच्चो का अथितियो के द्वारा तिलक लगाकर, मुंह मीठा कराते हुए पुस्तक, गणवेश वितरण किया गया। इस दौरान नवोदय विद्यालय में 2019 से 2025 तक चयनित 9 अध्ययन ,प्रयास में चयनित 4 और राष्ट्रीय सह साधन छात्र वृत्ति में चयनित 6 बच्चों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विशिष्ट शिक्षण का दायित्व निभाने वाली शिक्षिका दीपेश्वरी साहू और रूखमणी देवी चंद्राकर को जन समुदाय पालकों ने उत्कृष्ट शिक्षण सम्मान श्रीफल एवं शील्ड से सम्मानित किया। इस शाला के प्रति जन समुदाय के द्वारा मंदिर निर्माण, एलईडी टीवी, प्रिंटर, माइक सेट, वॉटर फ्रीजर,शाला सजावट,क्यारी में नल कनेक्शन, आदि मे विशेष योगदान हैं। इस योगदान को देखते हुए हिलेश्वर साहू एवम जन जागृति अभियान के लोग शामिल हैं। अंत में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नीलांबर, रेशमा साहू, प्रधान पाठक महेश चंद्राकर और यीतेश धुर्वे सहित समस्त स्टॉफ गण ने अथितियों को श्री फल, शाल, शील्ड देकर सम्मानित किया। महेश चंद्राकर प्रधान पाठक ने शाला प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आभार व्यक्त किया ।

जनता को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मेरी नैतिक जिम्मेदारीः विधायक चंद्राकर

भिलाई। रिसामा में छत्तीसगढ़ राज्य विकास प्राधिकरण मद अंतर्गत साहू पारा में सामुदायिक भवन निर्माण, धर्मस्व मद अंतर्गत शिव मंदिर एवं राम मंदिर जीर्णोद्धार, तथा मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना अंतर्गत दो सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों के लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। चंद्राकर ने कहा क्षेत्र के विकास कार्यों में सभी साथ मिलकर काम करेंगे। डबल इंजन की सरकार में राज्य के साथ हमारा क्षेत्र भी विकास की नई गाथा लिखेगा। ग्रामीण क्षेत्र हमारे आधार हैं। इनके विकास से पूरे देश का विकास जुड़ा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देने के लिए हमारी सरकार सदैव तत्पर है। इसके लिए विभिन्न योजनाएं भी संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को भी विकास की गति में बराबर सहयोग किया जा रहा है। क्षेत्र के विकास के लिए पैसा की कमी नहीं होगी धीरे धीर आपके गांव के सभी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर मनोज चंद्राकर, रोशन लाल साहू, मन्नूलाल साहू, राजेश चंद्राकर, गीतेश्वर साहू, अजय साहू सहित अन्य मौजूद थे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

भिलाई। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद कलात्मक ज़ेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, दिवाली व शादी विवाह के सीजन को देखते हुए लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग,

इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c)833(20c)750(18c)टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सभी विकासखंडों में हुआ आंदोलन

युक्तियुक्तकरण में गड़बड़ियों के विरोध में शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

युक्तियुक्तकरण में ढेरों विसंगतिया और गड़बड़ी से आक्रोशित शिक्षक साझा मंच ने 1 जुलाई को छत्तीसगढ़ के सभी विकासखंड में धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। इसी तारतम्य में शिक्षक साझा मंच ब्लॉक इकाई पाटन ने अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री, शिक्षा सचिव, संचालक लोक शिक्षण एवं जिलाधीश दुर्ग के नाम एक ज्ञापन जिला संचालक कृष्ण कुमार वर्मा एवं ब्लाक संचालक चेतन सिंह परिहार के नेतृत्व में रैली निकाल कर अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी को सौपा। स्थानीय धरना स्थल जनपद कार्यालय के सामने जमकर नारेबाजी की। इन मांगों में 2 अगस्त 2024 युक्तियुक्तकरण नियम के अनुसार हुए

युक्तियुक्त करण को निरस्त कर 31 मार्च 2008 के सेटअप के आधार पर युक्तियुक्तकरण करने, क्रमोनीति का जनरल आर्डर जारी करने और पूर्व सेवा अवधि के आधार पर पेंशन एवं अन्य लाभ आदि मांग शामिल है। शिक्षक साझा मंच के बैनर तले हुए इस धरना प्रदर्शन में ब्लाक के शिक्षक शिक्षिकाओं ने एक दिवस का सामुहिक अवकाश लेकर अपनी सहभागिता निभाई।

इस धरना प्रदर्शन में जिला संचालक कृष्ण कुमार वर्मा , ब्लाक संचालक चेतन सिंह परिहार, ओमप्रकाश पांडेय,धरम दास बंजारे, तेजराम कामडिया,ललित कुमार बिजौरा,वेदराम जांगड़े,कृष्ण कुमार शर्मा,राजकुमार बघेल,अजय शर्मा, सुनील बघेल, कमलकांत देवांगन,चंद्रप्रकाश ध्रुव,प्रशांत वर्मा,टेकेश्वर यदु,आलोक कुमार नायक,वरुण निषाद,कृष्ण कुमार सोनकर, खेलावन कुर्रे,दुलेश्वर टंडन,मंगलू राम पारधी,पंकज चंद्राकर,राकेश सिंह ठाकुर,लक्ष्मी नारायण बंजारे, मानसमनी यदु,चंद्रमोहन यादव, अदिति बिजौरा, अलका साहू, प्रतिमा रानी नाग,श्रीमती गीतांजलि वर्मा, उर्मिला बिसेन,नारायण प्रसाद साहू,नंदकिशोर आडिल, विजय बंछोर,राजेश कुमार वर्मा और लेखराम चंद्राकर आदि उपस्थित थे।

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, गुरुवार, 3 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 27 डिग्री

न्यूनतम 24 डिग्री

12 राजेन्द्र पार्क से आईएमए चौक और धमधा मार्ग से बनेगी फोरलेन सड़क

14 युक्तियुक्तकरण आदेश के खिलाफ कोर्ट जाने वाले 140 शिक्षकों की सुनवाई शुरू

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को ठोका, मौत

भिलाई। तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरा युवक घायल है। घटना भिलाई तीन थाना क्षेत्र का है।भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि डबरा पारा निवासी राकेश कोसले अपनी बाइक सीजी 28 क्यू 7224 में दोस्त लोकेश के साथ हथखोज की ओर जा रहा था। इस दौरान कार सीजी 07 डीई 2657 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को सामने से ठोकर मार दी। हादसे में राकेश की मौके पर मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम की है। मृतक राकेश घर का इकलौता बेटा था। वह विवाहित था उसकी एक बेटी है। घटना की जानकारी लगने पर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।मृतक राकेश जेटवर प्राइवेट कंपनी इंजीनियरिंग पार्क में वेल्डर का काम कर रहा था। बताया जा रहा कि मृतक परिजनों को मुआवजा नहीं मिलने पर प्रदर्शन कर सकते है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कल

दुर्ग। सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली एवं परिवहन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप सड़क सुरक्षा समिति की बैठक होनी है। लोगों में यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से यह बैठक तय की गई है। बैठक में सांसद विजय बघेल मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। बैठक 4 जुलाई को दोपहर 12 बजे कलेक्टर सभागार में आयोजित की है। बैठक में जिले के सभी विधायक, सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी सहित अन्य मौजूद रहेंगे।

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी, डेढ़ दर्जन घायल

सड़क अतरिया। ग्राम बोरई में बुधवार शाम मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना से डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर घायल हो गए। जिसमें दो मजदूर को गंभीर चोंट लगने की जानकारी सामने आई।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कुटेली के लगभग दो दर्जन मजदूर रोज की तरह ग्राम पद्मावतीपुर खेत में रोपा लगाने गए हुए थे। खेत में काम पूर्ण कर सभी मजदूर एक पिकअप में सवार होकर वापस लौट रहे थे। शाम करीबन 5 बजे वाहन ग्राम बोरई के पानी टंकी के पास पहुंचा ही था कि वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। जिससे मौके पर हाय-तौबा मच गया। वाहन में सवार कुछ लोग इधर-उधर जा गिरे तो कोई एक-दूसरे के ऊपर दब गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने तत्काल घायलों की मदद के लिए दौड़े और 112 को घटना की जानकारी दी। कुछ देर बाद पुलिस एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंची और घायलों को लेकर छुईखदान चिकित्सालय लेकर पहुंची। वाहन पलटने से लगभग 16 लोग घायल होने की जानकारी मिली।

महादेव सट्टा पर फिर शिकंजा

भिलाई में आठ महीने तक किराये से रहने वाले सटोरिए की 200 करोड़ की शादी में ईडी की रेड

जयपुर के 5-स्टार होटल फेयर माउंट में होने वाली थी शादी, दूल्हा हुआ फरार, कई लोग गिरफ्तार, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

महादेव ऑनलाइन सट्टा के संचालक सौरभ चंद्राकर के बाद एक और सट्टा कारोबार से जुड़े सौरभ आहूजा की चौकाने वाली शादी जयपुर में होने जा रही थी। लगभग 200 करोड़ रुपए की ये शादी हो पाती इससे पहले ही रायपुर से ईडी की टीम ने वहां छापा मार दिया। बताया जा रहा है कि रेड से पहले ही दूल्हा सौरभ वहां से फरार हो गया है, लेकिन होटल में कई सट्टा कारोबार से जुड़े बड़े लोग पकड़ाए हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जिस सौरभ आहूजा की शादी में 200 करोड़ खर्च किए जा रहे थे और पूरा का पूरा जयपुर के कूकस स्थित 5-स्टार होटल फेयर माउंट बुक किया गया था वो मूलतः मध्य प्रदेश के भोपाल में रहने वाले हिमांशू आहूजा उर्फ हनी का भाई है।

इस मैरिज पैलेस में होनी थी शादी

जानकारी के मुताबिक महल की तरह दिखने वाले आलीशान होटल में आरोबों की ये शादी बुधवार को होने वाली थी, लेकिन इससे पहले ही ईडी की टीम रायपुर से वहां पहुंच गई। टीम ने पूरे होटल को अपने कब्जे में ले लिया। टीम ने शादी में पहुंचे मेहमानों को नाम नोट किए और कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। ईडी की तरफ से अभी तक ये जानकारी नहीं दी गई है कि उन्होंने किसे किसे अपनी हिरासत में लिया है और क्या कार्रवाई की गई है।

दोस्त ने बुलाया और बना दिया अरबपति

कुछ साल पहले तक हिमांशु आहूजा और सौरफ आहूजू के पास कुछ काम नहीं था। घर की स्थिति खराब होने पर वो काम की तलाश कर रहे थे। इनकी पहचान महादेव सट्टा कारोबार से जुड़े भिलाई में मेडिकल स्टोर चलाने वाले एक व्यापारी और नंदू सिंधी से हुई। नंदू ने इन्हें भिलाई बुलाया। वैशाली नगर में इन्हें किराये से मकान दिलाया। ये लोग लगभग 8 महीने तक यहां रहे और अचानक इनका बुलावा दुबई हो गया। वहां जाने के बाद इन्होंने अरोबों की बेनामी चल अचल संपत्ति बना डाली।

होटल में महादेव सट्टा से जुड़े कई लोग पकड़ाए, ईडी कर रही जांच

जयपुर के कूकस स्थित होटल फेयर माउंट में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने रेड की। महादेव बेटिंग ऐप केस में छत्तीसगढ़ रायपुर की ईडी टीम ने ये कार्रवाई की है। महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े लोग एक शादी में शामिल होने के लिए होटल में ठहरे हुए थे। ईडी के सूत्रों के मुताबिक, टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि महादेव बेटिंग ऐप मामले से जुड़े कुछ संदिग्ध होटल फेयर माउंट में रुके हुए हैं। इसी इनपुट के आधार पर ईडी की टीम ने होटल पर दबिश देकर छापेमारी की। बताया जा रहा है कि बेटिंग ऐप से जुड़े लोग होटल के दो-तीन कमरों में ठहरे हुए थे। ईडी की टीम धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत होटल में मिले लोगों से पूछताछ कर रही है।

16 अप्रैल को भी जयपुर में ED ने मारे थे छापे

महादेव बेटिंग ऐप मामले में छत्तीसगढ़ से आई ईडी की टीम ने इससे पहले 16 अप्रैल को जयपुर में ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर पर छापा मारा था। सोडाला स्थित एपल रेजीडेंसी में व्यापारी भरत दाधीच के फ्लैट पर ईडी की टीम ने सर्च किया था। इसके साथ ही महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े लोगों के 60 ठिकानों पर सर्च कार्रवाई की गई थी। ये कार्रवाई छत्तीसगढ़, भोपाल (मध्य प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), दिल्ली और राजस्थान में एक साथ की गई थी। ईडी को इस दौरान जयपुर से मनी लॉन्ड्रिंग, क्रिप्टो करेंसी और शैल कंपनियों से जुड़े सबूत मिले थे। इसी आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। जयपुर के कई बड़े व्यापारी भी ईडी के रडार पर हैं, जिनके खाते महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े पाए गए। छापेमारी के दौरान कई डॉक्यूमेंट और डिजिटल सबूत मिले थे।

महादेव बुक अवैध रूप से करोड़ों का लेन-देन करता है

महादेव बुक पिछले कुछ सालों में भारत में सबसे बड़े ऑनलाइन सट्टेबाज प्लेटफॉर्म में से एक बन गया है। यह ऐप और वेबसाइट के जरिए अवैध रूप से करोड़ों रुपए का लेन-देन करता है और क्रिकेट, फुटबॉल जैसे खेलों पर सट्टा लगाता है। इसका नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है। इसमें कई प्रभावशाली लोग भी शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी पिछले साल इस घोटाले की जांच की थी और कई करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी। महादेव बुक से जुड़े कुछ लोगों को अरेस्ट भी किया था।

2019 में जूस बेचने वाले सौरभ चंद्राकर ने शुरू किया था महादेव बेटिंग ऐप

छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी रामेश्वर चंद्राकर नगर निगम में पानी के पंप चलाने वाले ऑपरेटर का काम करते थे। उनके भतीजे का नाम सौरभ चंद्राकर है। सौरभ भिलाई में ही 'जूस फैक्ट्री' के नाम से एक छोटी सी जूस की दुकान चलाता था। वो शुरूआत से ही जुआ और सट्टा खेलने का आदी था। इसी दौरान उसकी दोस्ती रवि उप्पल नाम के एक इंजीनियर और शुभम सोनी से हो गई। सौरभ की कमाई का मुख्य जरिया जूस की दुकान ही थी। उसका दोस्त रवि उप्पल एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था।

इलेक्ट्रॉनिक शॉप में आग, पंखे, कूलर, टीवी जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

इंदिरा मार्केट दुर्ग खत्री इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स शॉप में बुधवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि उसे 5 किलोमीटर दूर से भी देखा गया। घटना में लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक शुरुआती जांच में दुकान में शार्टसर्किट होने से आग लगने की जानकारी मिली है। शॉप में आग लगने की सूचना संचालक आशीष खत्री व कर्मियों को पिछले हिस्से में सुबह करीब 11 बजे आग लगने का धुआं उठने से जानकारी मिली। तुरंत संचालक ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर 7 दमकल वाहन पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आसपास फैलने के खतरे को लेकर खत्री इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल्स से सटी दुकान के संचालकों में दहशत का माहौल निर्मित हुआ। आग को बुझाने में 5 घंटे का समय लग गया। उक्त शॉप का शुभांरभ माह भर पहले ही यहां हुआ था। शॉप के भीतर सारा इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल सामान नया भरा गया था। सारा सामान जलकर राख हो गया है। दुकान के संचालक ने बताया कि बिजली का लोड अचानक से बढ़ा, इसके बाद शॉर्ट सर्किट हुआ, जिस वजह से आग लगी।

- इंदिरा मार्केट दुर्ग की घटना, 5 घंटे के बाद काबू पाया गया

घटना की खबर लगते ही विधायक गजेन्द्र यादव, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल सहित अन्य मौके पर पहुंचे थे।

पांच किमी. दूर तक देखा गया धुएं का गुबार

दमकल कर्मियों ने बताया कि तीसरे मंजिल पर आग लगी। पांच किमी. दूर तक धुएं का गुबार देखा गया। आग जिस तरह से लगा था उसे बुझाने के लिए 20 गाड़ी पानी और फोम का भी उपयोग कर बुझाया गया। दुकान में कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण थे। बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को जाने के लिए पतली जगह होने के कारण कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

नकली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर वसूली, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नकली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर मोबाइल चोरी, मारपीट केस में फंसाने की धमकी देकर रकम वसूली करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने पकड़ा। इसमें दो आरोपी गुंडा बदमाश हैं। सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि नेहरु नगर ईस्ट निवासी लेकापाल अधिकारी दुर्गा प्रसाद नायक 27 जून को हाउसिंग बोर्ड कोहका निवासी वेदान्त चौरसिया ने फोन कर स्वयं को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताया था। किशोर कुमार उर्फ रॉकी एमबीबीएस पकड़ाया है जिसके द्वारा केस में पीड़ित के मोबाईल का नाम लेकर उसे इमली तालाब के पास बुलाया। आरोपी बाइक से पहुंचा और स्वयं को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर पीड़ित को थप्पड़ जड़ दिया। रॉकी, अमन के द्वारा केस रफा-दफा करने के लिए 24 हजार रूपये की डिमांड वेदांत ने किया।

- मोबाइल चोरी केस में फंसाने की रची थी साजिश,

पुलिस ने शिकायत के बाद जांच शुरु किया। इस दौरान नकली क्राइम ब्रांच अधिकारियों में भूपेन्द्र सोनी, वेदान्त के बारे में खंगाला गया। दोनों के चौकी स्मृति नगर में गुण्डा बदमाश का फ्लेक्स लगा हुआ है। भूपेन्द्र सोनी की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने आरोपी बजरंग पारा कोहका निवासी भूपेन्द्र सोनी की पता तलाश कर निवास में दबिश दिया। उसे पकड़ने के बाद पूछताछ में भूपेन्द्र ने पुलिस को बताया कि वेदान्त, अमन,किशोर कुमार उर्फ रॉकी के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों से बाइक, तीन मोबाइल, नगदी 3 हजार कुल 1.50 लाख का सामान जब्त किया है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी गुरुवन्दिर सिंग संधु समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

महादेव सट्टा मामले में गोविंदा का सरेंडर, रवि जमानत पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

महादेव सट्टा ऐप मामले में पुलिस ने नौ माह से फरार गोविंदा चौहान ने दुर्ग न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। वहीं उसका दोस्त रवि मिश्रा जमानत पर है। मिली जानकारी के मुताबिक फरारी के दौरान गोविंदा चौहान भिलाई-दुर्ग में ही घूमता रहा है। नाटकीय ढंग से बुधवार को अचानक कोर्ट में पेश हो गया है। अब सुपेला पुलिस उसे रिमाड में लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस के मुताबिक रविकांत मिश्रा और गोविंदा चौहान के खातों से 1 करोड़ 65 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ था। पुलिस ने खातों को होल्ड कराया था। लंबे समय से सुपेला थाने में अपराध दर्ज होने के बाद से रविकांत मिश्रा, गोविंदा चौहान फरार चल रहे थे। लेकिन रविकांत मिश्रा को पुलिस ने

दबिश देकर पकड़ा उसके बाद पूछताछ कर उसे जेल भेजा था। उसके बाद उसे जमानत मिल गई। इसके अलावा गोविंदा चौहान लंबे समय से फरारी काट रहा था। गोविंदा चौहान, रवि मिश्रा स्वयं को मीडिया कर्मी बताया करते थे। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि दोनों उसके चाय दुकान में आया करते थे। यहीं धीरज से उनकी पहचान हुई। दोनों ने सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने की बात कहकर मुकेश तांडी के खाते की जानकारी ली।

खाता खुलवाकर अपना मोबाइल नंबर डलवाया

रवि और गोविंदा ने धीरज के नाम पर खाता तो खुलवाया, लेकिन मोबाइल नंबर अपना डलवाकर उस खाते का खुद ही संचालन करने लगे। जब धीरज ने इस पर सवाल किया तो उसके मोबाइल नंबर से सिस्टम पर खाता अपडेट नहीं होने का झांसा दिया था। इसके अलावा कथित मीडिया कर्मी ने बताया कि कुछ दिन बाद सिस्टम में खाता अपडेट हो जाएगा। फिर दोनों का मोबाइल नंबर भी अपडेट कराएंगे। अपडेशन के बाद उन्हें बैंक खाता हैंडओवर करने की बात कहकर एटीएम साथ ले गए। इसकी शिकायत पुलिस से मुकेश तांडी और धीरज महतों ने किया था।

रिमांड में लेकर पुलिस करेगी पूछताछ

गोविंदा चौहान को पुलिस न्यायालय से रिमांड में लेकर पूछताछ करेगी। गोविंदा के मोबाइल में आने जाने वाले नंबरों की भी जांच किया जाएगा। इसका अलावा खाते ट्रांजेक्शन रकम को लेकर भी पुलिस पूछताछ कर सकती है। इनके साथ और कितने लोग शामिल है उनके बारे में भी पुलिस जांच कर रही है। गोविंदा चौहान को पकड़ने के लिए पुलिस ने कई बार टीम बनाकर पतासाजी में जुटी रही लेकिन उसने कोर्ट में सरेंडर कर सबको चौका दिया।

जिले में अब तक 103.7 मिमी औसत बारिश

दुर्ग। जिले में 1 जून से 30 जून 2025 तक 103.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 207.0 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 65.9 मिमी तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 89.7 मिमी, तहसील अहिवारा में 92.4 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 92.6 मिमी और तहसील बोरी में 74.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 30 जून को तहसील दुर्ग में 11.8 मिमी, तहसील धमधा में 5.2 मिमी, तहसील पाटन में 33.2 मिमी, तहसील बोरी में 5.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 9.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 7.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

रंजिश के कारण बघेरा के 4 लड़कों ने युवक को मौत के घाट उतारा, उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

आपसी रंजिश के कारण चार युवकों ने मिलकर प्रेम उर्फ रॉकी नामक युवक को मौत के घाट उतार दिया। मामले में न्याायालय ने आरोपी रघुनाथ उर्फ रघु मंडावी (22 वर्ष), भूपेश साहू (21 वर्ष), अविनाश उर्फ चिंटू ठाकुर, आकाश मंडावी (20 वर्ष) को आजीवन कारावास से दंडित किया। न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी के न्यायालय से यह फैसला आया।

- न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी के न्यायालय से आया फैसला

प्रकरण के मुताबिक घटना 17 दिसंबर 2023 को शाम करीब 7:05 बजे की है। मृतक प्रेम पप्पू किराना गोड़पारा वार्ड-54 में खड़ा था। तभी आरोपी मौके पर आए। उन्होंने गालीगलौच करते हुए माारपीट शुरू कर दी। हाथ-मुक्कों, डंडे और पत्थर से हमला कर दिया। घटना ममें प्रेम बुरी तरह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गयाा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने धारा 147, 148, धारा 302 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचारण के लिए प्रस्तुत किया गया। शासन के तरफ से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक भावेश कटारे ने की। आरोपियों पर दोषसिद्ध पाया गयाा। न्यायालय ने धारा 147 और 148 में आरोपियों को 2 साल की कैद और 500-500 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। राशि अदा नहीं करने पर एक-एक माह की अतिरिक्त सजाा भुगतनी होगी। धारा 302 में आजीवन कारावास और 2 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई। राशि अदा नहीं करने पर एक साल अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सब्बो बर एक ही नंबर की सेवा का बुरा हाल, तीन माह से नहीं मिला था कर्मचारियों को वेतन

3 घंटे के लिए 112 की सेवा ठप, सैलरी मिलने पर काम पर लौटे चालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

डॉयल 112 के चालकों को तीन माह से वेतन नहीं मिला। इसे लेकर चालकों ने बुधवार को हड़ताल कर दिया। चालक सुबह 8 बजे डॉयल 112 वाहन लेकर अपने-अपने क्षेत्रों के थानों में पहुंचे और गाड़ी खड़े कर घर लौट गए, जब इसकी जानकारी पुलिस विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों को मिली, तो तत्काल कार्यएजेंसी से संपर्क साधना शुरू किया गया। आनन-फानन में इन चालकों और अन्य कर्मचारियों का वेतन ऑनलाइन ट्रांसफर किया गया। इसके बाद सुबह करीब 11 बजे वे काम पर लौटे। बता दें कि जिले में करीब 100 की संख्या में डॉयल 112 सेवा के अंतर्गत वाहन चौड़ रहे हैं। ये वाहन पब्लिक की हर तरह की मदद के लिए सक्रिय हैं। मुख्य रूप से सड़क हादसे, जरुरतमंदों को अस्पताल पहुंचाने या अन्य आपात स्थिति में मौके पर पहुंचकर सेवा उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई है। इस सेवा के लिए शासन स्तर पर एबीपी नामक कंपनी से अनुबंध किया गया है। यह कंपनी पिछले 5 साल से सेवा दे रही है। कंपनी की लगातार शिकायतें मिलती रही है। अपने कर्मियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा। बावजूद इसके शासन-प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। बुधवार को इन कर्मियों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने काम बंद कर धरना शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने कहा कि पिछले करीब 8 साल से वेतन के रूप में 8500 रुपए ही दिया जा रहा है। सैलरी बढ़ाने को लेकर कई बार मांग की जा चुकी है, लेकिन ध्यान नहीं दिया जा। उल्टा तीन माह से वेतन नहीं दिया गया, इस वजह से उनका घर चलाना तक मुश्किल हो गया। इसे देखते हुए उन्होंने यह धरना दिया।

- 8 साल से वेतन के रूप में 8500 रुपए ही दिया जा रहा है

इमरजेंसी सेवाएं घंटे भर रही प्रभावित

डॉयल 112 के चालको के हड़ताल में जाने के बाद घंटे भर भिलाई-दुर्ग की इमरजेंसी सेवाएं खराब हुई। जैसे ही जानकारी विभाग को हुई चालकों को बुलाकर बातचीत कर उनके रुके वेतन को तुरंत ट्रांसफर किया गया। इसके अलावा चालकों के हड़ताल में जाने की खबर लगने पर थानों के वाहन से इमरजेंसी सेवाओं का काम लिया गया। इसमें पुरानी भिलाई, खुर्सीपार, छावनी, भिलाई नगर, सुपेला के वाहन इमरजेंसी सेवाओं में काम पर लाए गए। अब हड़ताल खत्म होने के बाद व्यवस्था पहले की तरह हो गई।

सभी काम पर लौट आए

"कुछ देर के लिए डॉयल 112 के चालक हड़ताल पर थे। उन्हें कंपनी द्वारा तीन माह का वेतन नहीं दिया गया था। लेकिन चालको का वेतन देने के बाद तुरंत सभी चालक काम पर लौट गए। इनकी सारी सुविधाएं शुरु हो गई।

\- संकल्प राय
सहायक नोडल अधिकारी डॉयल 112

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

युक्तियुक्तकरण आदेश के खिलाफ कोर्ट जाने वाले 140 शिक्षकों की सुनवाई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

युक्तियुक्तकरण आदेश के विरोध में हाईकोर्ट जाने वाले शिक्षकों की सुनवाई कलेक्टर ने बुधवार को शुरू कर दी। पहले दिन 35 शिक्षकों की सुनवाई की गई। अकेले दुर्ग जिले से 140 शिक्षकों की सुनवाई हो रही है जो हाईकोर्ट गए हैं। युक्तियुक्तकरण में पद छिपाने सहित अनेक विसंगतियों को लेकर शिक्षक साझा मंच ने एक दिन पहले यानी मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय में प्रदर्शन किया था। शिक्षक कोर्ट चले गए हैं और स्कूल नहीं जा रहे हैं। जिसकी वजह से सरकारी स्कूलों में पढ़ाई ठप हो गया है।

शिकायतों के आधार पर सुनवाई

हाईकोर्ट जाने वाले शिक्षकों का आरोप हैं कि उनके साथ न्याय नहीं किया गया। कहीं पद छिपा लिए गए तो कहीं अपनों को बचाने के लिए जानबूझकर शिक्षकों को अतिशेष बनाया गया। दिव्यांग होने के बाद भी इसका फायदा नहीं मिला। इस तरह की शिकायतों को लेकर शिक्षकों पहले कलेक्टर में शिकायत की थी। यहां से कोई सुनवाई नहीं हुई तब हाईकोर्ट में चले गए। कलेक्ट्रेट में ऐसी ही शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है।

दुर्ग कलेक्ट्रेट में पहले दिन 35 शिक्षकों की सुनवाई

शिक्षक नहीं होने से पढ़ाई हो रही है प्रभावित

युक्तियुक्तकरण आदेश के बाद भी स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। इसलिए कि आदेश के खिलाफ शिक्षक कोर्ट गए हैं और जब तक निराकरण नहीं होगा स्कूल नहीं आएंगे। स्कूल खुले 17 दिन हो गए हैं और बच्चों की पढ़ाई बिना शिक्षकों की प्रभावित हो रही है। मौजूदाहालात में इस साल बच्चों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। स्कूलों में छुट्टी जैसा महौल है। आगे चलकर रिजल्ट पर भी असर पड़ेगा। पालक भी अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंतित हैं।

सुनवाई जारी

जिन शिक्षकों ने युक्तियुक्तकरण आदेश को लेकर कोर्ट गए है उनकी कलेक्ट्रोरेट में सुनवाई शुरू की गई है। शिक्षकों का पक्ष सुना जा रहा है। ताकि सभी पक्ष संतुष्ट हो सके। **-अरविंद मिश्रा,** डीईओ दुर्ग

युक्तियुक्तकरण में इस तरह चला खेला

1. सेजेस हिन्दी माध्यम हायर सेकंडरी स्कूल पेण्ड्रावन धमधा की व्याख्याता द्व्य प्रीति राजपूत (वाणिज्य) एवं सुनैना शर्मा (अंग्रेजी) का गत वर्ष डी पी आई से स्थानांतरण हायर सेकेंडरी स्कूल लिटिया तथा हाईस्कूल मोहलई हुआ था परन्तु आज पर्यंत तक पेन्ड्रावन से कार्यमुक्त हुए ही नहीं और वही कार्यरत है। वेतन आहरण क्रमशः धमधा एवं मोहलई से आहरित हो रहा है। जो यह प्रमाणित करता है की ये पेण्ड्रावन के कर्मचारी नहीं है।

2. डीईओ कार्यालय के सलग्न सेजस जे आर डी स्कुल दुर्ग में व्याख्याता मंजित सिंह जो प्रभारी प्राचार्य विनायकपुर है व्या ख्याता लखन लाल साहू जो प्रभारी प्राचार्य मोहलई हैं। व्याख्याता रश्मि साहू सेजेस दीपक नगर में सेवा दे रही है जबकि इन तीनों व्याख्याताओ का वेतन भुगतान सेजेस जे आरडी दुर्ग से हो रहा है और अतिशेष की गणना से मुक्त रखा गया है।

3. सविता शर्मा व्याख्याता निकुम में पदस्थ हैं जिनका अध्यापन व्यवस्था केप 1 भिलाई में है। शासकीय चंद्रशेखर शेखर आजाद उ.मा.वि दुर्ग में ऐसे ही पाँच व्याख्याता अलग अलग शालाओं से विगत 4 से 5 वर्षों से संलग्न है।जबकि इनकी जानकारी या वेतन अन्यत्र शाला से होता है। नलिनी वर्मा वेतन व्यवस्था एवं जानकारी हायर से स्कूल बेलौदी से, जया कश्यप - आदर्श कन्या दुर्ग ,जागृति साहू-तिलक कन्या दुर्ग नीलम सेन-उरला दुर्ग ,सुनीता अग्रवाल-तेलीगुंडरा पाटन।

खबर संक्षेप

मर्चेंट मिल के कर्मियों को कर्म शिरोमणि सम्मान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मिल्स ज़ोन–1 के अंतर्गत मर्चेंट एंड वायर राड मिल विभाग द्वारा कर्म शिरोमणि पुरस्कार" वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीजीएम मुनीश कुमार गोयल थे। मर्चेंट मिल विभाग के रविकांत महाजन, तिलक राज,दीपेश कुमार विष्वास, केबी रोशन, मोहन लाल सिन्हा व अश्विनी कुमार साहू को कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं वायर राड मिल विभाग से समी उल्लाह, गैंद लाल ठाकुर, रमेश कुमार, जागेश्वर सिंह ठाकुर, भागीरथी सिह व वी. रामचंद्र राव को "कर्म शिरोमणि" सम्मान प्रदान किया गया।

पखवाड़ेभर में ग्रेच्युटी का सौंपा जाएगा चेक

दुर्ग। वित्त लेखा व अंकेक्षण विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने अपने एमआईसी भवन के कक्ष में विभाग समिति की बैठक में लेखा व अंकेक्षण विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने समिति के सदस्यों व अधिकारियों के साथ प्रभारी श्री बंजारे ने उपादान की राशि की समीक्षा कर अधिकारियों से कहा की उपादान राशि को लेकर सूची का अवलोकन किया। उन्होंने सूची जांच करने के बाद अधिकारी से कहाँ सूची अंतर्गत जितने भी नाम दर्ज है, सभी का जल्द उपादान की राशि किस्तों में भुगतान करें।

पढ़ाई प्रभावित : किताबों में बार कोड स्केनिंग बनी मुसीबत

जिले के 833 स्कूलों में नहीं बंटी किताबें, केवल 304 में स्केनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

किताबों की बार कोड स्केनिंग ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। स्कूल का नया शैक्षणिक सत्र 16 जून से शुरू हो गया है। यानी 17 दिन हो गए लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए किताबें नहीं मिल पाई है। दुर्ग जिले में सरकार की नि:शुल्क पुस्तक वितरण योजना का हाल यह है कि 1137 स्कूल हैं जिसमें से 833 स्कूलों में किताबें नहीं बट पाई है। केवल 304 स्कूल ऐसे हैं जहां की किताबों की स्केनिंग की जा सकी है।

स्कूल खुलने के 17 दिनों बाद भी विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए नहीं मिल पाई है किताबें

शिक्षकों की बार कोड स्केन करने में छूट रहा पसीना

इस बार शासन ने हर किताबों पर बार कोड छपवाया है। इस बार कोड में हर किताबों की स्केनिंग करने के बाद ही विद्यार्थियों को वितरण करने का आदेश है। मोबाइल से लाखों किताबों की बार कोड स्केनिंग करने में शिक्षकों के पसीने छूट रहे हैं। स्केनिंग करने के बाद ही बच्चों को किताबें वितरण करना है। जिसकी वजह से जहां किताबें आ गई है लेकिन

जिले में अब तक नहीं पहुंची 4 लाख से ज्यादा किताबें

जिले के 177 संकुल हैं। इन संकुलों में 103245 विद्यार्थियों को सरकारी किताबें दी जानी है। जिसके लिए 598406 किताबें इन संकुलों में राज्य से भेजी जानी है। वर्तमान में केवल 195315 किताबें ही राज्य से संकुलों में पहुंचाई गई है। यानी अब भी 403091 किताबें नहीं पहुंची है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों की पढ़ाई काफी प्रभावित हो रही है।

17 दिनों से पढ़ाई हो गई है ठप

स्कूल खुलने के बाद 17 दिनों से पढ़ाई ठप है। विद्यार्थी बताते हैं कि वे स्कूल आ रहे हैं लेकिन किताब नहीं होने की वजह से पढ़ाई ही नहीं हो पा रही है। पुस्तकें कब तक मिलेगी इसकी भी जानकारी शिक्षक नहीं दे पा रहे हैं। शिक्षक क्लास में आते हैं और औपचारिकताएं पूरी कर चले जाते हैं। ऐसे में कोर्स भी पिछड़ेगा और रिजल्ट भी प्रभावित होगा।

निर्देश का पालन

पुस्तकें राज्य से संकुलों में सीधे पहुंच रही है। राज्य के निर्देश हैं कि किताबों में बार कोड की स्केनिंग के बिना बच्चों को पुस्तकें नहीं बांटी जाए। निर्देश का पालन कर रहे हैं।
-गौरा शुक्ला, नोडल अधिकारी पुस्तक वितरण दुर्ग

पाटन ब्लॉक में मात्र 34 स्कूलों में स्केनिंग की जा चुकी

दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक में 342 स्कूलों के विद्यार्थियों को किताबें बांटी जानी है। हाल यह है कि यहां केवल 34 स्कूलों की किताबें ही स्केनिंग हो पाई है। यानी 299 स्कूलों में किताबों की स्केनिंग नहीं हो पाई है। यहां 31326 किताबें पहुंचाई गई है।

दुर्ग ब्लॉक में 265 स्कूलों में अब तक स्केनिंग नहीं

जिले के दुर्ग ब्लॉक में 446 स्कूलों के विद्यार्थियों को किताबें वितरण होना है। यहां भी स्थिति बेहद दयनीय है। सबसे बड़े इस ब्लॉक में 181 स्कूलों में किताबों की स्केनिंग हो पाई है। अब भी 265 स्कूल ऐसे हैं जहां किताबों की स्केनिंग नहीं हो पाई है।

धमधा ब्लॉक में 49 स्कूलों में दिक्कत अब भी बरकरार

जिले के धमधा ब्लॉक में 329 स्कूल के विद्यार्थियों को किताबें बांटी जाएगी। वर्तमान में इस ब्लॉक में 280 स्कूलों में किताबें स्केनिंग की जा चुकी है। यहां 49 स्कूल ऐसे हैं जहां किताबों की स्केनिंग नहीं की जा सकी है। जिसकी वजह से किताब वितरण प्रभावित है।

भारी पड़ सकती है बीएसपी के विस्तार व आधुनिकीकरण परियोजना में लेटलतीफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

- प्रभावित होगा सेल का उत्पादन लक्ष्य
- लागत भी बढ़ जाएगी और कर्मियों की सुविधाओं पर पड़ेगा असर

सेल के सबसे बड़े प्लांट भिलाई इस्पात संयंत्र की विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण परियोजना (एक्सपांशन प्रोजेक्ट) -2 में लेटलतीफी बीएसपी सहित सेल को भारी पड़ सकती हैं। लगभग 25 हजार करोड़ का का यह प्रोजेक्ट पिछले तीन साल से लंबित है। विलंब से कंपनी को उत्पादन लक्ष्य सहित कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

बीएसपी के पिछले एक्सपांशन प्रोजेक्ट-1 की तरह प्रोजेक्ट 2 में भी विलंब हो रहा है। बीएसपी के विस्तार की जिस परियोजना को पूर्णता की ओर होना था,वह अब तक शुरु ही नहीं हो सकी है। रशियन तकनीक से बने पैंसठ साल पुराने हो चुके बीएसपी के आधुनीकीकरण के लिए वर्ष 2017 में एक्सपांशन प्रोजेक्ट पूर्ण होने के बाद करीबन आधा प्लांट आधुनिक हो चुका है। इससे प्लांट की स्टील उत्पादन क्षमता 5 मिलियन टन से बढ़कर 7 मिलियन टन हो गयी है। आगे 10 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य के लिए एक्सपांशन प्रोजेक्ट -2 को वर्ष 2022 में शुरु किए जाने की योजना थी लेकिन यह अब तक शुरु नहीं हो पाया है। विलंब का असर बीएसपी व सेल सहित कर्मियों की सुविधाओं पर भी पड़ेगा। यूनियन सूत्रों के मुताबिक बीएसपी के विस्तार योजना (एक्सपांशन प्रोजेक्ट में लगातार विलंब से उत्पादन लागत बढ़ रही है। इसका असर कर्मियों की वित्तीय सुविधाओं पर पड़ सकता है वहीं बीएसपी के 10 मिलियन टन और वर्ष 2031 में सेल के 30 मिलिटन टन उत्पादन के लक्ष्य को पूर्ण करने में मुश्किल होगी। इससे घरेलू व वैश्विक बाजार में सेल के आर्डर व डिमांड प्रभावित होंगे। प्रतिस्पर्धी निजी कंपनियां आर्डर झटक ले जाएंगी। फिर बीएसपी में अनुभवी कर्मियों व टेक्नोक्रेट के रिटायर होने से इस प्रोजेक्ट को पूर्ण करने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

नए एक्सपांशन प्रोजेक्ट में यह

नए एक्सपांशन प्रोजेक्ट के पूर्ण होने से पूरे बीएसपी के बचे हिस्से आधुनिकीकरण पूर्ण हो जाएगा। उत्पादन क्षमता भी बढ़ जाएगी। नए प्रोजेक्ट के तहत आधा दर्जन नई यूनिटों का निर्माण होगा। इसके तहत साढ़े तीन मिलियन टन व साढ़े तीन मिलियन टन क्षमता के दो ब्लास्ट फर्नेस बनना है। नया स्टील मेल्टिंग शांप (एसएमएस) और कोको ओवंस बैटरी-12 व नई यूनिवर्सल रेल मिल बनना है।

पिछला प्रोजेक्ट भी हुआ लेट

बीएसपी का पिछला प्रोजेक्ट भी विलंब से पूर्ण हुआ था। तत्कालीन इस्पात मंत्री रामविलास पासवान के कार्यकाल में शुरु हुआ यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री मोदी के दबाव के बाद वर्ष 2016-17 में पूर्ण हो सकता था। इसकी उत्पादन लागत बढ़ जाने का असर कर्मियों की सुविधाओं में कटौती के रुप में हुआ था। पिछले प्रोजेक्ट के तहत यूनिवर्सल रेल मिल(यूआरएम), महामाया ब्लास्ट फर्नेस,आरएमपी -3, बीआरएम व एसएमएस-3 का निर्माण किया गया था। इसके पूर्ण हो जाने से बीएसपी की उत्पादन क्षमता 5 एमएल से बढ़कर 7 मिलियन टन हो गई।

2017 से नहीं मिला तीसरा मानदेय, नाराज बीएसएनएल कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶|दुर्ग

बीएसएनएलईयू के केन्द्रीय मुख्यालय ने देशभर में अपने विभिन्न मांगों को हासिल करने के लिए प्रदर्शन का निर्देश दिया। इसे लेकर बुधवार को बीएसएनएल के मेनगेट में कर्मचारियों ने भोजन अवकाश के दौरान प्रदर्शन और नारेबाजी की।

सर्किल सेक्रेटरी आरएस भट्ट ने कर्मचारियों की प्रमुख मांग में 2017 से देय तीसरा वेतनमान है। सरकार बीएसएनएल को घाटे में होने के कारण नहीं देने की बात लोकसभा और राज्यसभा में कही है। लेकिन सरकार घाटे वाली सार्वजनिक कंपनी आईटीआई के कर्मचारियों को नया वेतनमान दिया है। इस दोहरा मापदंड को बीएसएनएल कर्मचारी बर्दाश्त नहीं करेंगे। सरकार के हठधर्मिता पर कर्मियों का आंदोलन तीव्र होगा। भट्ट ने कहा सरकार के उद्योगपति पोषित नीति के खिलाफ देश के सभी कर्मचारी संगठनों ने मिलकर 9 जुलाई को आम हड़ताल की घोषणा की है। बीएसएनएल के कर्मचारियों से 9 जुलाई की आम हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया है। प्रदर्शन के दौरान डीके सिंह, दिनेश साकरे, छगनलाल निषाद, पीके वर्मा, अविनाश, महेश, अमिता, रामेश्वरी, धानोता आदि मौजूद थे।

डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय का सर्वर डाउन

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

- भिलाई-3 उपपंजीयक कार्यालय में दिनभर लोग हलाकान

भिलाई तीन उप पंजीयक कार्यालय में बुधवार को लोगों को भारी हलाकान होना पड़ा। दिनभर सर्वर डाउन होते रहने से रजिस्ट्री का काम बहुत प्रभावित हुआ। इसके चलते लोगों को लोगों को घंटों इंतजार करने करना पड़ा कई लोगों को बैरंग भी लौटना पड़ा।

आनलाइन सिस्टम बीमार होने के लिए चर्चित भिलाई तीन डिप्टी रजिस्ट्रार आफिस में आज रजिस्ट्री कराने आए लोगों का बारिश में पसीना छूट गया। दिनभर रुक रुक कर सर्व डाउन होता रहा है।

इससे रजिस्ट्री कराने वालों के मोबाईल सेट पर ओटीपी नहीं आने से रजिस्ट्री नही हो पा रही थी। लोग लंबी लाइन में घंटों इंतजार करते रहे। पंद्रह बीस मिनट सर्वर ठीक होता तो फिर कुछ देर बाद डाउन हो जा रहा था। शाम पांच बजे तक यही सिलसिला चलता रहा। जामुल खेरथा, भिलाई तीन आदि से रजिस्ट्री कराने आए लोगों ने बताया कि सर्वर डाउन होने से रजिस्ट्री का काम बुरी तरह प्रभावित हुआ। आन लाइन सिस्टम बैठ जाने की यह आए दिन की समस्या है। फिर कार्यालय लोगों बैठने या छाया की कोई व्यवस्था भी नहीं की गई है। इसके चलते लोग बारिश व धूप में हलाकान होते रहते हैं। डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय में रोज पचास से अधिक रजिस्ट्री होती है । अधिकतर लोग ग्रामीण क्षेत्र के होते है। इन दिनों खेती किसानी का काम चल रहा है।

बिजली दर में बढ़ोत्तरी को लेकर प्रदर्शन आज

दुर्ग। राज्य शासन के बिजली कंपनी द्वारा की गई दर में बढोत्तरी के विरोध में आम आदमी पार्टी द्वारा तीन जुलाई को प्रातः 11 बजे से 32 बंगला शहीद कौशल यादव स्मारक के पास प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी ने अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं से उपस्थिति की अपील की है।

भिलाई निगम वाहन शाखा प्रभारी के बैठक को लेकर बवाल

प्रभारी : बिजली और स्वास्थ्य विभाग के ठेकेदार कर रहे निगम के वाहनों का मुफ्त उपयोग, निगमः ऐसा इस्तेमाल नहीं हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

भिलाई निगम में मंगलवार को एमआईसी मेंबर व वाहन शाखा प्रभारी लालचंद वर्मा की बैठक को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। प्रभारी लालचंद वर्मा ने अपनी जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह साफ किया था कि निगम के बिजली और स्वास्थ्य विभाग के ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए निगम द्वारा उन्हे मुफ्त में जेसीबी, डंपर, डीजल और ड्राइवर तक मुहैया करवाया जा रहा है। इससे निगम को आर्थिक क्षति पहुंच रही है। इधर बुधवार को निगम ने इसका खंडन जारी किया है। निगम के हिसाब से वस्तु स्थिति यह है कि नगर निगम भिलाई में ठेका सफाई कार्य हेतु अनुबंधित एजेंसी को निगम द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले संसाधनों (मिनी टिप्पर, ई-रिक्शा, ट्रेक्टर ट्राली, मेनुवल रिक्शा, हैण्ड ट्राली) का किराया ठेकेदार के देयक से कटौती की जाती है। जे.सी.बी, डम्पर और ड्राइवर ठेकेदार द्वारा किराये के वाहन लगाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किया जाता है। सफाई कार्य में निगम की जेसी.बी. एवं डम्पर का उपयोग नहीं किया जाता है। अनुबंध शर्तो के अनुसार यदि निविदाकार को जे.सी.बी, डम्पर आवश्यकता पड़ने पर निगम से लिए जाने तथा नियमानुसार देयक से किराया कटौती किये जाने का प्रावधान है। यदि इसका उपयोग होने की दशा में निगम अनुबंध शर्तो के अनुसार निविदाकार को उपलब्ध कराकर किराये की राशि वसूली किये जाने की कार्यवाही करने के लिए सक्षम है। निविदाकार के अनुबंध में सी.एण्ड.डी मटेरियल उठाने एवं परिवहन करने का कार्य एवं सेक्शन युनिट मशीन, जेटिंग मशीन से संबंधित कार्य अनुबंध में नहीं होने से जोन कार्यालय के माध्यम से निगम की जेसीबी, डम्पर, सेक्शन युनिट मशीन, जेटिंग मशीन का उपयोग किया जाता है। इसी तरह बिजली कार्य के लिए उपयोग में आने वाले संसाधन जैसे- एलिवेटर जो निगम में उपलब्ध है। निविदाकार अनुबंध शर्तो में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार निगम से प्राप्त कर उपयोग कर सकता है। जिसका नियमानुसार राशि निगम में जमा करने के प्रावधान अनुबंध शर्तो के अंतर्गत है। जिसका पालन नियमानुसार निविदाकार द्वारा किया जा रहा है।

जांच का विषय

निगम की किसी भी वाहन को ठेकेदार इस्तेमाल करता है तो नियम व शर्तों के अनुबंध के हिसाब से निर्धारित किराया निगम को देना होता है। ईंधन व्यय स्वयं का होगा। विद्युत और स्वास्थ्य विभाग में भी इसी के तहत ठेका दिया गया है। यदि कोई गड़बड़ी है तो यह जांच का विषय है।
-नीरज पाल, महापौर

आयुक्त ने नहीं किया स्पष्ट, संशय बरकरार

हरिभूमि ने एमआईसी मेंबर व वाहन शाखा प्रभारी लालचंद वर्मा की जारी विज्ञप्ति पर निगम का पक्ष जानने के लिए निगम आयुक्त राजीव पांडेय के मोबाइल नंबर 9425649105 पर दो बार फोन किया। उन्होंने फोन नहीं रिसीव किया। उसके बाद आयुक्त के वाट्सएप नंबर पर मैसेज भेजकर जानकारी मांगी गई, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया था। इधर लालचंद वर्मा से भी मोबाइल पर निगम द्वारा बुधवार को खंडन वाली जारी विज्ञप्ति पर बयान लेना चाहा तो उनका नंबर स्वीच ऑफ आया।

04

दिल की नजर से

लाइव इवेंट

पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, सहेजने का लिया संकल्प

भिलाई। हायर सेकंडरी स्कूल पउवारा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधे रोपे गए। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर आयोजन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रकृति और परिवार दोनों के प्रति श्रद्धा भाव का प्रतीक है। पिछले वर्ष देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की गई थी। एक पेड़ मां के नाम एक नई और प्रेरणादायक पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य मातृत्व के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ बढ़ावा देना है। इसी के तहत आज ग्राम धनोरा में सभी स्कूली बच्चों के सामूहिक प्रयास से पेड़ लगाया गया है। जहां भी खाली जगह मिले अपने घर, स्कूल, कॉलेज, तालाबपार, खेत, खलिहान, अपने ऑफिस अपने अपने कार्य क्षेत्र में एक पेड़ अवश्य रूप से लगाएं। साथ ही धरती माता को प्लास्टिक मुक्त करने जीवन में प्लास्टिक का उपयोग बंद करने उन्होंने प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू ने प्लास्टिक के दुष्परिणाम के बारे में बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से जानकारी दी। गांव-गांव में बर्तन बैंक स्थापना के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, राकेश हिरवानी, बोरीगारका सरपंच चुम्मन लाल यादव, पाऊवारा सरपंच मीना यादव, उपसरपंच विकास साहू, ऋषि देशमुख, हेमंत साहू, रानू साहू, होमन साहू, पूर्णिमा साहू सहित अन्य मौजूद थे।

लाइव इवेंट

शीतला माता जुड़वास पर बुजुर्ग हनुमान सिंह का देवांगन समाज ने किया सम्मान

भिलाई। परमेश्वरी मंदिर प्रगति नगर रिसाली में शीतला माता जुड़वास पूजा का विशेष आयोजन श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न हुआ। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में माता शीतला को प्रसन्न करने तथा समाज के लोगों को समस्त बीमारी एवं महामारी रोगों से मुक्त रखने के लिए जुड़वास पूजा की जाती है। इसे माता पहुंचनी भी कहा जाता है। यह पूजा महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा के बाद गुप्त नवरात्रि में मनाया जाता है। पूजा में देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन मुख्य यजमान थे। पूजा में शीतला माता से देवांगन समाज के सभी सदस्यों एवं भक्तों के लिए आरोग्य, सुख शांति और समृद्धि की कामना की गई। मंदिर के पुजारी पं. विनय मिश्रा ने विधि विधान से माता की जुड़वास पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद मंदिर में आरती हुई और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। जसगीत प्रभारी जयश्री देवांगन के नेतृत्व में बाजे-गाजे के साथ माता सेवा गीत एवं भजन प्रस्तुत किया गया। समाज के पुरोधाओं को सम्मानित करने के क्रम में पूजा में उपस्थित 92 वर्षीय बुजुर्ग हनुमान सिंह का देवांगन जन कल्याण समिति की ओर से गमछा एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। बुजुर्ग ने अपनी लंबी उम्र को माता परमेश्वरी की कृपा एवं उनका आशीर्वाद माना।

लाइव इवेंट

स्टेट सीनियर और महिला फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप आज

भिलाई। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के निर्देशन में प्रदेश शतरंज संघ द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से जैन भवन सेक्टर-6 में शतरंज चैम्पियनशिप आयोजित है। 3 से 6 जुलाई तक राज्य सीनियर एवं महिला फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप में 250 से ज्यादा खिलाड़ी भाग लेंगे।अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि उद्घाटन दोपहर 12 बजे होगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। इस अवसर परर जैन समाज के अध्यक्ष मुकेश जैन, कैलाश जैन बरमेचा, विनोद राठी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। स्पर्धा को फिडे द्वारा अंतराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई है। चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के रायपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बिलासपुर, कोरबा, महासमुंद, जांजगीर चांपा, रायगढ़, मुंगेली, बेमेतरा, जगदलपुर, बीजापुर, कोण्डागांव, कांकेर, अंबिकापुर, धमतरी, खैरागढ़, कबीरधाम जिले के लगभग 250 खिलाड़ियों की रिकॉर्ड एंट्री दर्ज की गई है। स्पर्धा कुल 9 चक्रों में खेली जाएगी। इसके आधार पर चार पुरुष एवं चार महिला खिलाडियों का चयन राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्पर्धा में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। चैंपियनशिप में विजेता को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

डॉक्टर्स डे पर लायंस क्लब ने डॉक्टरों का किया सम्मान, उनकी उपयोगिता पर विचार गोष्ठी का आयोजन

धरती पर डॉक्टर भगवान का दूसरा रूप, उनका स्पर्श व चिन्ता मत करो, मैं हूं न कहना... मरीज के मन में जीवन की जगाता है आस

धरती पर डॉक्टर्स भगवान का ही दूसरा रूप होते हैं, इनका आत्मीयता भरे स्पर्श के साथ मरीज को ये कहना कि, चिन्ता मत करो मैं हूं ना, मरीज के मन में जीवन के प्रति आस जगा देता है। डाक्टर्स की पर्सनल लाईफ रहती ही नही। कब किस टाइम अर्जेंट कॉल आ जाए और फिर परिवार को छोड़कर हास्पीटल भागना पड़े। हम सभी को इनके प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। डॉक्टर्स के प्रति आत्मीयता भरी यह बातें लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट की चार्टर प्रेसिडेंट अनिता अग्रवाल ने कही। डॉक्टर्स डे पर शहर में विभिन्न स्थानों में अनेक आयोजन किये गए। इस दौरान डॉक्टर्स को सम्मानित करते हुए समाज में उनके योगदान को सराहा गया।

भिलाई। लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट एवं डब्लू ई क्लब भिलाई ग्रेट के संयुक्त तत्वाधान में डॉक्टर्स और सीए सम्मान समारोह का आयोजन होटल के सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. निरंजन हरितवाल, विशेष अतिथि वरिष्ठ दंत रोग विशेषज्ञ डॉ मंजू यादव और वरिष्ठ चाटर्ड एकांउटेट विवेक गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर भारत माता और मेल्विन जोन्स के तेलचित्र पर माल्यार्पण कर समारोह की विधिवत शुरुआत की गई। स्वागत भाषण क्लब की अध्यक्ष बबीता सोनी ने दिया। समारोह में 12 डॉक्टर्स और 5 सी ए का पर्यावरण का संदेश देते हुए सुंदर पौधे और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर्स एवं सी ए अतिथियों ने भी अपने संस्मरण और अनुभव उपस्थित लोगो के साथ साझा किए।

कभी सम्मान और कभी अपमान का दंश झेलते डॉक्टर्स

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चार्टर प्रेसिडेंट अनिता अग्रवाल ने डॉक्टर्स को भगवान का दूसरा रूप बताया। मुख्य अतिथि डॉ निरंजन हरितवाल ने कहा कि कई बार जब व्यक्ति अपने परिवार के प्रति ही ईमानदार नहीं रह पाता तब कभी सम्मान और कभी अपमान का दंश झेलते हमारे डॉक्टर्स हर परिस्थिति में अपने पेशे के प्रति ईमानदार रहते हैं। विशेष अतिथि डॉ मंजू यादव ने कहा कि वास्तव में डॉक्टर्स की अपनी कोई पर्सनल लाइफ़ नहीं होती उनका पेशा ही उनका पहला दायित्व होता है। विशेष अतिथि सी ए विवेक गुप्ता ने भी सभी को डॉक्टर्स डे एवं सी ए डे की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और वरिष्ठ सदस्यों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन अर्चना गुप्ता ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर लायंस क्लब भिलाई ग्रेट एवं डब्ल्यू ई क्लब भिलाई ग्रेट के सभी सदस्य उपस्थित थे।

वरिष्ठ और सेवाभावी डॉक्टर रिजवी का किया सम्मान, दीर्घायु की कामना

डाक्टर्स डे के अवसर पर मानव सेवा के प्रति सदैव सजग व समर्पित रहने वाले नामचीन डॉ एस ए रिज़वी के नेहरू नगर स्थित उनके निवास पर सांसद विजय बघेल और भिलाई विद्यालय एलुमनी परिवार के फाउंडर नेतराम अग्रवाल, नरेश खोसला की उपस्थिति में सभी ने पुष्पगुच्छ, शॉल व श्रीफल द्वारा सम्मानित कर उनके स्वस्थ्य दीर्घायु की कामना की। इस दौरान सांसद श्री बघेल ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि डॉ रिज़वी के पास कोई बीमारी दिखाने के बाद आधा रोग तो स्वयं गायब हो जाता है। डॉ रिजवी ने अपने कहा कि मैं चाहता हूं कि जब तक जीवन है, सेवा देता रहूं। इस दौरान सभी ने उनके स्वस्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इस दौरान संचालन करेत हुए सुमन कन्नौजे ने डाक्टर्स डे की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बीना भट्टाचार्य, सुमन कन्नोजे, रीता दास, आर.पी.बिंदु, एस.एन. बिस्वास, नेतराम अग्रवाल, नरेश खोसला, विमान भट्टाचार्य, जाविद हसन, गोविंद पाल, रामसमूज, के एफ एन्थोनी, एन.के.अचीन, ए के माहोर, विशाल नायर, एस के बन्दोपाध्याय, शफीक खान, योगेन्द्र साहू, व्ही. पी. राजपूत, चितरंजन, संचीत मंडल, दिनेश मिश्रा, पी.के.सिंह, रुतेन्द पांडे, शेरे बशीर, ओ.पी.वर्मा, एन के दास सहित काफी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण में योग की भूमिका अहमः चितलांगिया

भिलाई। 5 जुलाई तक चलने वाले योग प्रशिक्षण को लेकर आयुष मंत्रालय की क्रियान्वयन संस्था मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के सहयोग से हरित योग अभियान का 21 दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे रोपे जा रहे हैं। एक कार्यक्रम पायनियर स्मारक स्थल पर आयोजित किया गया, जहां 785 लोगों ने योग प्रोटोकॉल के अनुसार योग अभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्य योग प्रोटोकॉल शिक्षक ममता साहू, आर्य समाज से अंकित शर्मा, गायत्री प्रज्ञापीठ से पं. जितेंद्र साहू, योग शिक्षक आदित्य टंडन प्रमुख रूप से मौजूद थे। संयोजक मनोज ठाकरे ने देते हुए बताया आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। हम सभी भारतवासियों की आवश्यकता है कि पूरी दुनिया में योग को लोकप्रिय बनाएं। अतिथि उमेश चितलांगिया ने पायनियर स्मारक आयोजन स्थल पर विभिन्न योगासनों को बड़े ही उत्साह के साथ उपस्थित जनता एवं छात्रों ने प्रार्थना से लेकर ताड़ासन प्राणायाम, अर्ध उष्ट्रासन वक्रासन मकरासन भुजंगासन सेतु बंधासन पवनमुक्तासन, शवआसान,, आलम विलोम कपालभाति शीतली प्राणायाम, को बड़े ही उत्साह के साथ योग आचार्य ने विधिवत कराया। चितलांगिया ने कहा विकसित भारत के लिए हरित योग आंदोलन में एक पेड़ मां के नाम लगाने जैसे आयोजन सिर्फ भारत स्वस्थ एवं मजबूत होगा। स्वस्थ रहने और सशक्त भारत के लिए योग की भूमिका अहम है।

भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर भक्तों ने किया मंगल अभिषेक

भिलाई। श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर 1008 नेमिनाथ भगवान का मंगल अभिषेक किया गया। शांति धारा का सौभाग्य निशांत, प्रशांत, संपर्स, विमल, मयंक छाबड़ा को मिला। इस अवसर पर नेमिनाथ भगवान के कल्याणक की विधान पूजन विधान मंडप में की गई। भक्तों ने श्रीफल अर्पण किया। समाज के लोगों ने बताया कि नेमिनाथ भगवान के गिरनार पर्वत पर आज हजारों की संख्या में जैन धर्मलंबियों ने पैदल पहाड़ी पर चढ़ते हुए आचार्य निर्भय सागर और समर्पण सागर के साथ टोंक का दर्शन किया। नेमिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में भक्तों ने भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की। निर्वाण पूजन के साथ निर्वाण लाडू अर्पण किया। इस अवसर पर ज्ञानचंद बाकलीवाल, जिनेंद्र जैन, वरुण जैन, प्रदीप जैन, सोमेश बाकलीवाल, भारत जैन, राहुल जैन, मयंक जैन सहित अन्य मौजूद थे।

कामधेनु विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय प्रशिक्षण में पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, उद्यानिकी को लेकर कार्यशाला

कार्नर न्यूज

भिलाई। कामधेनु विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह ग्रीष्मकालीन पाठशाला का आयोजन किया गया। इसका समापन वर्चुअल माध्यम से किया गया। इसमें कुलपति डॉ. आरआरबी सिंह, अधिष्ठाता डॉ.संजय शाक्य प्रमुख रूप से मौजूद थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि, पशुपालन, डेयरी, मातस्यिकी, रेशम उत्पादन, उद्यानिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में सतत उद्यमिता के अवसर विषय से जुड़ी जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को इन क्षेत्रों में व्यावसायिक संभावनाओं, नवीनतम तकनीकों एवं प्रबंधन के उन्नत दृष्टिकोण से परिचित कराना था, जिससे वे स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में अधिक सक्षम बन सकें। इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान देशभर के विशेषज्ञों द्वारा विविध विषयों पर व्याख्यान एवं तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय का यह प्रयास कृषि एवं पशुपालन आधारित उद्योगों में स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। एग्रो एन्वायरमेंट डेवलमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. छतरपाल सिंह कार्यक्रम के महत्व और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

रेशम की खेती से किसान कमा सकते हैं लाखों, प्रशिक्षण में प्रश्नोत्तर समूह चर्चा और केस-स्टडी आधारित अभ्यास के जरिए दी जानकारी

उद्यमिता को बढ़ावा देने ऐसे प्रशिक्षण का आयोजन आवश्यक

निदेशक प्रक्षेत्र डॉ. डी. भोंसले ने 21 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ, जिसमें देशभर के विशेषज्ञ वक्ताओं ने आधुनिक पशुपालन तकनीकें, डेयरी प्रबंधन, मत्स्य पालन, रेशम उत्पादन, उद्यानिकी के व्यवसायिक अवसर और सतत उद्यमिता मॉडल जैसे विविध विषयों पर व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता की विशेष सराहना करते हुए बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रश्नोत्तर, समूह चर्चा और केस-स्टडी आधारित अभ्यास सत्रों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों दृष्टियों से समृद्ध किया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपने क्षेत्रों में नवाचार लाने और स्वरोजगार के अवसर विकसित करने हेतु प्रेरित करना था, जिसमें यह प्रशिक्षण पूर्णतः सफल रहा। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन, सभी विशेषज्ञों और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया जिनके प्रयासों से यह प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

ग्रामीण युवाओं, किसानों पशुपालकों और स्टूडेंट्स के लिए प्रशिक्षण

इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. संजय शाक्य ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञ वक्ताओं, विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण सह ग्रीष्मकालीन पाठशाला विश्वविद्यालय के विस्तार कार्य एवं सेवा दायित्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं, किसानों, पशुपालकों और विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, प्रबंधन एवं व्यवसायिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है। इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने व्यावहारिक जीवन में अपनाकर अपने व्यवसायिक प्रयासों को अधिक लाभकारी बनाएं। प्रतिभागियों से अपील की कि वे इस प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों और दृष्टिकोण का उपयोग करके आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर डॉ. एके सांतरा, डॉ. व्हीएन खूने, दीपक सिंह एवं निलेश कुमार पैंकरा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वंदना भगत एवं डॉ. रुपल पाठक ने किया।

सिटी इवेंट

वैदिक सत्संग में वीरांगना दल छग की संचालिका बनी गीता

भिलाई। आज आर्य समाज मंदिर आर्य नगर के साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल की ओर से गीता आर्या को छत्तीसगढ़ की संचालिका बनाया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय शिविर में आये सभी आर्य वीरों और आर्य वीरांगनाओं का सम्मानित भी किया गया। छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री अवनी भूषण पुरंग और सभा के कार्यालय मंत्री रवि आर्य उपस्थित रहे। इसी कड़ी में आर्य वीरांगना दल की छत्तीसगढ़ की संचालिका गीता आर्या का भी सम्मान किया गया। इस दौरान सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल की ओर से गीता आर्या को नियुक्ति पत्र दे कर छत्तीसगढ़ की संचालिका बनाया गया है। आर्य वीर दल परिवार ने इस पूरे मिशन में उपस्थित रहे आचार्य संदीप, आचार्य दिलीप, सभा मंत्री अवनी भूषण पुरंग, नरेंद्र आर्य, कीर्ति पाल और गीता आर्य वीर दल परिवार का आभार व्यक्त किया। सम्मान के इस पूरे कार्यक्रम में आर्य समाज मंदिर आर्य नगर के मंत्री मनोज आर्य, रवि आर्य, आचार्य अजय, गीता आर्या सहित वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। सार्वदेशिक आर्य वीर दल छत्तीसगढ़ व्यायाम शिक्षक अजय आर्य, रामेश्वर आर्य, शाखा नायक संदेश आर्य, विवेक आर्य, अतुल आर्य, नीलकमल आर्य, तुषार आर्य, राजेश यादव को बनाया गया है। वहीं कविता आर्या छत्तीसगढ़ की पहली आर्य वीरांगना दल की व्यायाम शिक्षिका बनी, साथ ही उप व्यायाम शिक्षिका साक्षी आर्या, भूमिका आर्या, प्रेरणा आर्या, दिव्य शिखा आर्या, सुभाषिनी आर्या, शाखा नायिका जागृति आर्या, अंजलि आर्या, किरण आर्या, ऐश्वर्या आर्या, दुर्गेश्वरी आर्या, मन्नू आर्या, शशि आर्या, दीपिका आर्या, शशिलता आर्या, निर्मला आर्या बनाया गया है। इस कार्यक्रम में वीर एवं वीरांगनाओ ने अपने अनुभव को साझा किए।

● अंजुमन हुसैनिया कमेटी का आयोजन, आलिमा रूखशाना की हुई तकरीर

कर्बला के शहीदों की याद में लगाया गया मेडिकल कैम्प रक्तदान करने उमड़े नौजवान, बेटियों का किया सम्मान

भिलाई। मुहर्रम के मौके पर शहर के सभी इमामबाड़ों पर परचमे इस्लाम फहराने के साथ-साथ फातिहा ख्वानी ढोल, ताशे, अखाड़ों का खेल, तकरीरी प्रोग्राम, मिलाद शरीफ, नौहा व कुरआन ख्वानी जारी है। अंजुमन हुसैनिया कमेटी की ओर से सड़क- 20, जोन-1, खुर्सीपार में तमाम आयोजन मौलाना सैयद आलमगीर अशरफ अशरफी के तत्वाधान में हो रहे हैं। इसी कड़ी में 5वें मुहर्रम को यहां मेडिकल कैम्प, रक्तदान शिविर में 32 यूनिट ब्लड युवाओं द्वारा दिया गया और प्रतिभावान बेटियों के इस्तकबाल व सम्मान का आयोजन किया गया। नमाज के बाद ठीक डेढ़ बजे आलिमा रुखसाना की तकरीर हुई। वहीं इसी दौरान मेडिकल एवं रक्तदान शिविर रखा गया। मेडिकल कैम्प में आरोग्यम हॉस्पिटल से डॉक्टर मोहित और डॉक्टर बाली वर्मा ने अपनी सेवाएं दी। रक्तदान शिविर में खून देने नौजवान उमड़ पड़े। पूरे शिविर में नौजवानों ने कुल 32 यूनिट खून दिया। आयोजन में 8 वीं, 10 वीं और 12 वीं में प्रथम स्त्रेणी में उत्तीर्ण बेटियों का सम्मान किया गया। इस दौरान भिलाई स्टील प्लांट के रिटायर जनरल मैनेजर एमआरके शरीफ मुख्य अतिथि थे। उन्होंने बच्चियों का सम्मान करते हुए कहा कि तालीम ही हमारी सबसे बड़ी दौलत है और बेटियों को तालीम दिलाने हमेशा आगे रहना होगा। इस दौरान समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय संगठन हजरत बीबी फातिमा जोहरा कमेटी और अल मदद वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसाइटी का विशेष रूप से सम्मान किया गया। जिसमें बीबी फातिमा कमेटी की ओर से नसीम सुल्ताना, शाहीन खान, शबनम खान, अक्सा अली, रजिया बानो और शमीम अशरफी सहित अन्य मौजूद थे। वहीं अल मदद की ओर से अंजुम अली, डॉक्टर आसमा बेगम और रशीदा खातून सहित अन्य मौजूद थे। आयोजन में के.सुरेश, गनी खान, हजरत बिलाल मस्जिद हुडको के सदर शाहिद अहमद रज्जन, शब्बू खान, मुश्ताक अली, कमालुद्दीन अशरफी, माधव राव, जलालुद्दीन आमीन खातून, हज्जन सोगरा, नजमा बेगम, जून, फरीदा, शमशुन बानो, मुसर्रत बानो, नन्हू, रईसा, शेख शबनम , तबस्सुम बानो और आसिया खातून सहित अन्य भी मौजूद थे।

8 वीं, 10 वीं और 12 वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण बच्चियों का किया इस्तकबाल

आयोजन में 8 वीं, 10 वीं और 12 वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण बेटियों का सम्मान किया गया। इनमें माहफिजा निशा,

मंतशा शेख निसा, शमा परवीन, आफरीन बानो, क्लास 10 से आईना बानो, जोया फातिमा, रीहम निदा खान, परवीन बानो, अफ़शा परवीन, शाइस्ता, अक्सा बानो, अरीबा सिद्दीकी, 8 वीं कक्षा से सना परवीन, शाफ अंसारी, रेशमा शेख मंसूरी, यास्मीन, फौजिया नाज़, आलिया सिद्दीकी, शबीना परवीन, शाहीन खातून, बुशरा सिद्दीकी, करिश्मा खान, अरफना परवीन, और हमीरा शेख शामिल हैं।

रक्तदान में इनकी रही भागीदारी

मुहर्रम के मौके पर आयोजित रक्तदान शिविर में हुसैन अली, आरिफ अयूब, मोहम्मद शमीम, पीर हुसैन, जमालुद्दीन, बन्ने खां, अनवर अली, अफजल अली, इरफान खान बब्बू, अरशद अली, मुश्ताक अली, जावेद खान, कमालुद्दीन, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद सादिक, कुद्दुस मोहम्मद और बशीर अली सहित अन्य ने अपनी भागीदारी दी। सभी रक्तदाताओं को अंजुमन हुसैनिया की तरफ से हेलमेट व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

जामा मस्जिद सेक्टर-6 में तकरीर आज से

जामा मस्जिद सेक्टर 6 में जिक्र ए शोहदा ए कर्बला में 3 से 5 जुलाई तक रोज रात बाद नमाज़ ईशा रात साढ़े 9 से साढ़े 10 बजे तक रखा गया है। जिसमें गुरुवार को हज़रत अल्लामा मौलाना सैयद नैयर अशरफ अशरफी उल जिलानी किछौछा शरीफ (यूपी) की तकरीर होगी। वहीं शुक्रवार और शनिवार को मस्जिद के इमाम-खतीब हाफिज इकबाल अंजुम अशरफी कर्बला के शहीदों का बयान करेंगे। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने अकीदतमंदों से शामिल होने की गुजारिश की है।

आज जाएंगे कर्बला की मिट्टी लेने

मुहर्रम की सातवें दिन गुरुवार को भिलाई के तमाम ताजियादार अपने-अपने इमामबाड़ो व चौक से ढोल-ताशे व अखाड़ो के साथ रात लगभग 9 बजे कर्बला मैदान जीई रोड से मिट्टी लेने पहुंचेंगे और वहां से अपने-अपने इमामबाड़ों और चौक पर पहुंचेगे। इसके बाद सभी इमामबाड़ो से रात में छोटी चौकी व मेहंदी निकलेगी, जो अपने अपने इमामबाड़ो पर गश्त करेगी।

सिटी लाइव

रोटरी क्लब ने किया रक्तदान सुरक्षित रहने बांटा हेलमेट

भिलाई। रोटरी क्लब ऑफ़ भिलाई ग्रेटर द्वारा आशीर्वाद ब्लड बैंक के सहयोग से डॉक्टर्स डे के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 62 यूनिट रक्तदान हुआ। नेहरु नगर में आयोजित शिविर में क्लब के सदस्यों सहित अनेक सामाजिक सेवको ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से रक्तदाताओं में आरटीएन अमित अग्रवाल, अभिनव बंसल, सुशील जैन, श्रीकांत अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राहुल कथूरिया, सिद्धार्थ अग्रवाल, निमित पहाड़िया, सरवेश अग्रवाल, केतन संघवी, नितिन सुपे, गौरव रजिंदर, अचल सुरी, अनूप गोयल, जयदीप बेदी, स्वप्निल शर्मा, संजय अग्रवाल, यश जैन, नवीन अग्रवाल, मधुर अग्रवाल उपस्थित रहे। इस दौरान सभी रक्तदाताओं को सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्था द्वारा चार चिकित्सकों का विशेष रूप से सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान एक सच्ची सेवा है, जो न केवल किसी जीवन को बचाता है बल्कि समाज को जोड़ने का भी कार्य करता है। इस शिविर के माध्यम से हमने सेवा की भावना को साकार किया है। इस अवसर पर रोटरी भिलाई ग्रेटर क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे।

लोक कलाकार सम्मान समारोह

ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन भजनों की प्रस्तुति ने बांधा समां, कलाकारों को किया सम्मानित

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ज्ञान मोती भवन आदर्श नगर चरोदा में कलाकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश के दूर दराज से अलग-अलग विधा के सिद्ध कलाकारों को केंद्र की ब्रम्हकुमारी बहनों ने गमछा व उपहार भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में 'ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन' सहित कई कर्णप्रिय भजन गाकर समा बांध दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कबीर भजन लोक गीत गायक गीतकार, संगीतकार, आकाशवाणी, दूरदर्शन और फिल्म कलाकार एवं छत्तीसगढ़ कलाकार विकास संघ के प्रदेश अध्यक्ष नवल दास मानिकपुरी थे। विशिष्ट अतिथि गायक कलाकार मानसिंह पटेल थे। मुख्य वक्ता के रुप में रायपुर से पहुंची राज योगिनी चंद्रकला एवं शिवानी विशेष रूप से उपस्थित थी। इस दौरान नवल दास मानिकपुरी ने अपने उद्बोधन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय संस्थान को मोक्ष का मार्ग और सभी कलाकारों को एक परिवार का बताया। उन्होंने इस आयोजन के लिए संस्थान का आभार जताया। रायपुर की चंद्रकला ने नशा मुक्ति पर जोर दिया वहीं विशेष अतिथि मानसिंह पटेल ने भी सारगर्भित बातें रखी। मंच संचालन गरिमा व हरीश साहू ने किया। केंद्र की संचालिका शिवानी ने सभी अतिथियों और कलाकारों का आभार व्यक्त किया।

आयोजन में प्रदेश भर से पहुंचे कला व संस्कृति से जुड़े लोग

इनका किया सम्मान

आयोजन में भगवती साहू, हरीश साहू, केशव साहू,उकेश वर्मा, पीलाराम शर्मा, भेखराम देवांगन, मधु यादव, कौशल यादव, राजकुमार बंजारे,चमन वर्मा , चैतराम साहू, संतराम यादव, हेमन्त मढरिया, चिंताराम साहू,सोहन साहू,भरत यादव, विजय घृतलहरे, नवीन यादव, खोमेश यादव, अर्जुन पेंड्रीडीह, जागेश्वर साहू, लीलाधर वर्मा, नारायण दास मानिकपुरी, रमेश सिंह ठाकुर, चेतन देवांगन, कुमारी निषाद, रुही साहू, ढालचंद यादव, शाश्वत पांडेय, विमल विश्वकर्मा, चमेली निषाद, रामकुमार साहू, टीकम पटेल, प्रमोद पटेल, लालाराम पटेल, नरेंद्र यादव, नंदकुमार,बाल मुकुंद मढरिया, विनोद साहू, मनोज निर्मलकर, चिंता राम साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

आयोजन

स्कूल प्रवेशोत्सव में बच्चों को तिलक लगाकर बांटी पुस्तकें, दिखा उत्साह

भिलाई। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल सेक्टर 6 भिलाई नगर में शाला प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान भाजपा नेता योगेंद्र सिंह उपस्थित हुए और उन्होंने स्कूल के प्रवेशी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर पुस्तके भेंट कर आर्शिवाद दिया।

इस अवसर पर योगेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चे भारत का भविष्य हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले इसके लिए स्कूल प्रबंधन को व्यवस्था करनी चाहिए । बच्चों का सर्वांगीण विकास, नैतिक विकास एवं देश प्रेम की भावना बच्चों में गुरु ही कर सकता है। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल ने शाला के शिक्षा, खेलकूद, प्रगति और उपलब्धियां को बताते हुए भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया। इस दौरान परीक्षाओं के बेहतर परिणाम और खेलकूद में बच्चों को शामिल कर स्कूल को उच्च स्तर पर ले जाने का भी सुझाव भी सदस्यों ने रखा।अतिथियों से स्कूल स्टाफ के लिए 15 x 20 रूम की आवश्यकता की मांग की गई। स्कूल प्रमुख दलजीत कोरादा, मिडिल प्रमुख काजल भल्ला, प्राइमरी प्रमुख प्रियंका पुरी द्वारा शाला प्रवेशोंत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रजनीकांत पांडे, दिनेश जायसवाल, अशोक जैन, अंजलि पटनायक, ज्योति ठाकुर सहित बच्चों के माता-पिता भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

शिक्षा और खेलकूद की बताई उपलब्धियां

सिटी इवेंट

चार दिवसीय कार्यशाला में अनुसंधान और परिकल्पना पर की जाएगी चर्चा

भिलाई। मनसा शिक्षा महाविद्यालय भिलाई में बुधवार को चार दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई। 2 से 5 जुलाई तक चलने वाली कार्यशाला का विषय रिसर्च मायथोलॉजी हैंन्डस ऑन गाइड टू रिसर्च वर्क एंड डॉक्यूमेंडेशन रखा गया है। कार्यशाला की शुरुआत पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर पूर्व कुलपति प्रोफेसर बीजी सिंह, मनसा शिक्षा महाविद्यालय भिलाई के संचालक संजीव सक्सेना और प्राचार्य प्रोफेसर स्मिता सक्सेना द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना और दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में डॉ रितिका सोनी द्वारा कार्यशाला का विवरण विस्तार से प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद प्रोफेसर बीजी सिंह ने कार्यशाला के पहले दिन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुसंधान क्या है, समस्या का चयन करने, उद्देश्य और परिकल्पना का निर्माण करने और समस्या सहित महत्वपूर्ण पहलूओं पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन डॉ नमिता गौराहा द्वारा किया गया।

रथयात्रा महोत्सवः सेक्टर-10 और सेक्टर 6 में हो रहे अनेक आयोजन

गुण्डिचा मंडप में खूब हो रही महाप्रभु की आवभगत, संगीत संध्या में झूमे भक्त

कार्नर न्यूज

भिलाई। जगन्नाथ समिति, सेक्टर-4 के तत्वाधान में सेक्टर-10 में निर्मित भव्य गुण्डिचा मंडप में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित हो रहे हैं। गीत संगीत का आनंद उठा रहे हैं। महाप्रभु श्री जगन्नाथ के रथयात्रा महोत्सव के तहत आयोजित संगीत संध्या में नीलिमा स्वरांजली ग्रुप के कलाकारों ने बेहतरीन भजन और भक्ति संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। स्वाति रावल के नेतृत्व में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समा बांध दिया। गायिका सरिता बिसोई, रश्मि, अर्पिता, भारती, जूही, प्रणिता आदि ने अपने गायन से दर्शकों को बांधे रखा। श्री जगन्नाथ पर आधारित गीतों ने भक्तों को भाव विभोर कर दिया। उड़िया व हिंदी भजनों का उपस्थित दर्शकों ने लुत्फ उठाया। इस अवसर पर समिति के महासचिव सत्यवान नायक ने रथयात्रा के अंतर्गत विभिन्न दिनों में होने वाले विविध आयोजनों जैसे हेरा पंचमी, बहुड़ा रथयात्रा व नीलाद्री विजय पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संयोजन त्रिनाथ साहू तथा रंजन महापात्र ने किया। इस दौरान सभी गायकों का प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सुगन्धित फूलों से किया भगवान का श्रृंगार, रामलीला में दिखाया सीता विवाह

सेक्टर 6 गुंडिचा मंडप में महाप्रभु की मौसी द्वारा खूब आवभगत की जा रही है। जहां मौसी बच्चों की तरह महाप्रभु को लाड करते हुए नए-नए वस्त्रों और सुगंधित फूलों से श्रृंगार कर एक से बढ़कर एक व्यंजनों का भोग लगा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को गुंडिचा मंडप में सुबह 5 बजे विभिन्न प्रकार के सुगन्धित फूलों से भगवान का श्रृंगार किया गया। मध्यान्ह भोग में अन्न, डालमा (दाल), बेसर (मिक्स सब्जी), सपुरीखट्टा (अनानस की चटनी) और खीर, का भोग लगाया गया। शाम की आरती के बाद श्री सत्य सांई राम लीला मंडली बेलौदी द्वारा रामलीला के मंचन में धनुष भंग के बाद परशुराम-लक्ष्मण संवाद और सीता विवाह का मंचन किया गया। रोज रात 10 बजे विशेष प्रसाद पोड़ो पीठा का भी भोग लगाया जा रहा है। इस आयोजन में पं. तुषांत महापात्रा, दिलीप महंती, अरुण पंडा, शरद विशाल, गजेन्द्र पण्डा, रविन्द्र साहू, शशिभूषण माहंती, संजय साहू, सन्यास साहू सहित सभी व्यवस्था में लगे हुए है।

सिटी स्पोर्ट्स

सीनियर नेशनल बॉक्सिंग में रेलवे की शशि-लाशु को रजत

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के वाणिज्य विभाग में कार्यरत महिला बॉक्सरों शशि चोपड़ा एवं लाशु यादव ने हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित एलिट विमेंस सीनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वेट कैटेगरी में रजत पदक (सिल्वर मेडल) प्राप्त किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 27 जून से 01 जुलाई तक आयोजित की गई, जिसमें 15 राज्यों की 200 से अधिक महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ओर से भाग ले रहीं शशि चोपड़ा और लाशु यादव भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। इनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल भारतीय रेलवे बल्कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर का भी गौरव बढ़ा है। दोनों खिलाड़ियों की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, मंडल एवं मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, रेलवे खेल संघ मुख्यालय के पदाधिकारीगण, सहकर्मी खिलाड़ी एवं कर्मचारीगणों ने हर्ष के साथ हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शशि चोपड़ा एवं लाशु यादव ने अपने कठिन परिश्रम, दृढ़ निश्चय और अनुशासन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो न केवल रेलवे परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुने गए मुक्केबाज

रायपुर। बिलासपुर में 11 से 13 जुलाई तक होने वाली 17 वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर

बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए रायपुर जिले की बॉक्सिंग टीम (बालक/बालिका) का चयन सुभाष स्टेडियम में किया गया। जिसमें 30-33 किग्रा में केशव नेताम, 33-35 किग्रा में देव टांडी, 35-37 किग्रा में डेविड कुमार साहू, 37-40 किग्रा में चैतन्य साय, 40-43 किग्रा में नितेश चंद्राकर, 43-46 किग्रा में जय जिनेंद्र शर्मा, 49-52 किग्रा में हर्षल पिल्लै, 52-55 किग्रा में साक्ष्य वासुदेव एवं +70 वजन वर्ग में वेदाथ पिल्लै तथा बालिका वर्ग 37-40 किग्रा में देविका साहू एवं 46-49 किग्रा में भावना साहू का चयन किया गया। रायपुर एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसियेशन के अध्यक्ष प्रकाश सिंह ठाकुर एवं सचिव नवीन दास ने खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी है।

राजधानी में सीनियर नेशनल किकबॉक्सिंग होगी इस माह

रायपुर। खेल एवं युवा मंत्रालय भारत सरकार से मान्यता प्राप्त वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन के मार्गदर्शन में किकबॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में 16 से 20 जुलाई तक राजधानी के बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसमें देशभर के विभिन्न 32 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशो से सीनियर वर्ग के 1200 महिला पुरुष खिलाड़ी 300 ऑफिसियल हिस्सा लेंगे।वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेस्टेशन के अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल इस संदर्भ में दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहे। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष छगन लाल मुंदड़ा ने बताया कि 2017 में भी एसोसिएशन द्वारा नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था, जिसके अनुभव का लाभ आयोजन समिति को मिलेगा। उक्त आयोजन की सफलता के लिए एसोसिएशन के अध्यक्ष छगन लाल मुंदड़ा सहित आयोजन समिति के चेयमैन राजीव मुंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुदिवान सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण तैयारी कर रहे है।

नेशनल बेसबॉल में छत्तीसगढ़ को मिले रजत और कांस्य

रायपुर। जूनियर बेसबॉल राष्ट्रीय

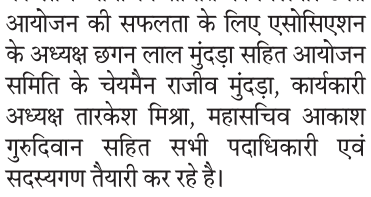

प्रतियोगिता गढ़मुक्तेश्वर उत्तरप्रदेश में 27 जून से 01 जुलाई तक आयोजित की गई। जिसमे बालक वर्ग फाइनल मैच में दिल्ली से हुए कांटे के मुकाबले में हारते हुए प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने में कामयाब रहे। मैच का आखिरी स्कोर 5-4 रहा। बालिका वर्ग का हार्डलाइन मैच तीसरे स्थान के लिए राजस्थान के साथ रहा। छत्तीसगढ़ बालिका टीम से साक्षी ध्रुव के आक्रामक पिचिंग के बदौलत टीम ने राजस्थान को 01 रन में रोका।

यादाश्त को लेकर गंभीर समस्याओं से जूझ रहा समाज का एक वर्ग

आपकी सोचने की क्षमता पर छा रहा कोहरा तो हो सकती है 'ब्रेन फॉग' की समस्या, कराएं इलाज

ब्रेन फॉग की स्थिति में आपकी सोच-याददाश्त बहुत स्पष्ट नहीं होती है। क्या आपको कभी ऐसा लगा है कि आप कुछ सोच नहीं पा रहे, याददाश्त कमजोर हो गई है या फोकस करना मुश्किल हो रहा है? अगर हां, तो इस तरह की समस्याओं को हल्के में लेने की गलती न करें। कई बार ये ब्रेन फॉग की समस्या का संकेत हो सकता है। ब्रेन फॉग दो शब्दों- ब्रेन और फॉग से मिलकर बना है। ब्रेन का मतलब मस्तिष्क और फॉग का मतलब कोहरा, यानि जिस तरह से कोहरा में कुछ भी स्पष्ट नहीं दिखता है, उसी तरह से ब्रेन फॉग की स्थिति में आपकी सोच-याददाश्त बहुत स्पष्ट नहीं होती है। ब्रेन फॉग आमतौर पर संज्ञानात्मक हानि से संबंधित समस्याओं का वर्णित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मेडिकल टर्म है। यह विभिन्न प्रकार की अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियों का लक्षण भी हो सकता है, इसलिए इस समस्या पर ध्यान देना आपके लिए बहुत आवश्यक हो जाता है।

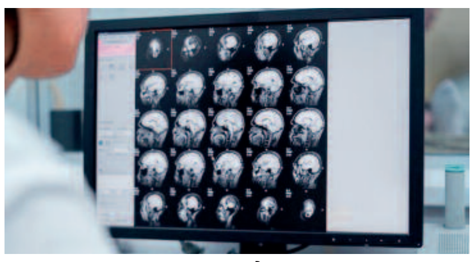

कोविड-19 के बाद बढ़ गए हैं ब्रेन फॉग के मामले

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार ब्रेन फॉग के लिए न्यूरोइंफ्लेमेशन और हार्मोनल असंतुलन जैसी स्थितियां जिम्मेदार हो सकती हैं।इसी से संबंधित लैंसेंट न्यूरोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, कोविड-19 के बाद 30% मरीजों में ब्रेन फॉग की दिक्कत बढ़ गई है। ये समस्या कुछ हफ्तों से लेकर महीनों तक भी बनी रह सकती है। ब्रेन फॉग कोई गंभीर बीमारी नहीं, लेकिन यह आपकी क्वालिटी ऑफ लाइफ, कामकाजी क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। इसकी पहचान समय रहते हो जाए, तो यह पूरी तरह से ठीक हो सकती है।

ब्रेन फॉग के कारण क्या-क्या दिक्कतें होती हैं?

ब्रेन फॉग के कारण कई प्रकार की दिक्कतों का अनुभव हो सकता है जिसकी समय रहते पहचान जरूरी है। ब्रेन फॉग के कारण ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, याद्दाश्त में कमजोरी (छोटी-छोटी बातें भूल जाना), निर्णय लेने में मुश्किल, चिड़चिड़ापन, नींद आने में दिक्कत जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

ये दिक्कत होती क्यों है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्रेन फॉग कई प्रकार के शारीरिक, मानसिक और लाइफस्टाइल कारणों से हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें इस तरह की समस्याओं का

खतरा अधिक हो सकता है। हार्वर्ड के विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आप अक्सर रात में 6 घंटे से कम की नींद लेते हैं तो इसके कारण ब्रेन फॉग होने का जोखिम हो सकता है। अमेरिकन साइकोलॉजी एसोसिएशन के अनुसार क्रॉनिक स्ट्रेस की समस्या ब्रेन के कॉग्निटिव फंक्शन को प्रभावित कर सकती है जिसके कारण ब्रेन फॉग का खतरा रहता है। हार्मोनल बदलाव, खासकर महिलाओं में प्रेगनेंसी, मेनोपॉज या थायराइड असंतुलन के दौरान ब्रेन फॉग ज्यादा देखने को मिलता है। विटामिन बी12, विटामिन डी, आयरन और ओमेगा-3 जैसे पोषक तत्वों की कमी के कारण भी मस्तिष्क की ये समस्या बढ़ सकती है।

ब्रेन फॉग से बचाव के लिए क्या करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, आप ब्रेन फॉग को होने से पूरी तरह से नहीं रोक सकते, लेकिन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कुछ प्रयासों की मदद से इसके जोखिमों को कम कर सकते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि चूंकि कोविड-19 संक्रमण के बाद ब्रेन फॉग होने का खतरा अधिक देखा गया है इसलिए कोविड-19 वैक्सीन लगवाना आपके लिए मददगार हो सकता है।

आपकी सेहत का ख्याल रखने वाले डॉक्टर्स हैं बर्नआउट के शिकार

चिकित्सकों को हमारे समाज का सुपरहीरो भी कहा जाता है, कोरोना महामारी से लेकर किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य संकट में डॉक्टर्स समाज के लिए हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे हैं। पर हमें स्वस्थ-ठीक रखने वालों की सेहत का ध्यान कौन रखेगा? दुनियाभर में साल-दर-साल कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। जब भी बात बीमारियों की होती है तो इससे निजात दिलाने के लिए डॉक्टर्स की टीम मजबूती से खड़ी रहती है। चिकित्सा को नोबेल पेशे के रूप में जाना जाता है और चिकित्सकों को समाज में भगवान का दर्जा दिया गया है। चिकित्सकों को हमारे समाज का सुपरहीरो भी कहा जाता है, कोरोना महामारी से लेकर किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य संकट में डॉक्टर्स समाज के लिए हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे हैं। पर क्या आपने कभी सोचा कि कठिन से कठिन बीमारियों में रक्षक बनने वाले चिकित्सक कितने स्वस्थ हैं? डॉक्टर्स की टीम तो हर समय मरीजों की सेवा में लगी रहती है पर हमें स्वस्थ-ठीक रखने वालों की सेहत का ध्यान कौन रखेगा? इस साल की थीम भी इसी पर आधारित है, 'बिहाइंड द मास्क-केयरिंग फॉर केयरगिवर्स'।

डॉक्टर्स और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं

पूरे भारत में, लाखों डॉक्टर्स, जूनियर और रेजिडेंट मेडिकल पेशेवर, लगातार काम के घंटों, बढ़ते भावनात्मक दबाव और मानसिक स्वास्थ्य संकटों से जूझ रहे हैं। अपनी परेशानियों के बीच हमारा ध्यान शायद ही कभी इस तरफ जाता हो? राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आरटीआई डेटा के अनुसार, 2018 से 2023 के बीच, भारत में 119 मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या की, उनमें से 58 स्नातकोत्तर छात्र थे। इसका मतलब है कि हर 15 दिन में लगभग एक आत्महत्या होती है, जोकि एक प्रणालीगत आपातकाल है।

आत्महत्या के बढ़ते मामले

साल 2024 में किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 3 में से 1 स्नातकोत्तर मेडिकल छात्र ने आत्महत्या के विचारों का अनुभव किया था। 10% से अधिक ने योजना तक बनाई और करीब 5% ने पिछले वर्ष आत्महत्या का प्रयास किया था। अकेले जून 2025 में रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा अपना जीवन समाप्त करने की कई रिपोर्ट देखी गईं। ये अक्सर हॉस्टल के कमरों में पाए गए, पीछे सदमे में परिवार और अनुत्तरित प्रश्न छोड़ गए। आंकड़ों के पीछे कई दर्दनाक कहानियां छिपी होती हैं- युवा डॉक्टरों को बिना आराम के 36-36 घंटे की शिफ्ट करनी पड़ती है, इन सब प्रयासों के बावजूद कई बार वह हिंसा का भी शिकार होते हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन-गोवा के एक अध्ययन में पाया गया कि राज्य के 42% डॉक्टरों में बर्नआउट के लक्षण दिखाई दिए, जो निश्चित ही एक गंभीर संकेतक है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

राजधानी दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ रविंद्र चावला कहते हैं, सर्जरी के लिए औजारों को पकड़ने वाले मजबूत हाथ भी कई बार खामोशी में कांप सकते हैं। हमें एक बार खुद को उनकी जगह पर रखकर, डॉक्टर्स के दर्द को भी समझना चाहिए। इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ और सर्जन डॉ. निरंजन हिरेमथ कहते हैं पिछले कुछ वर्षों में, हमने स्वास्थ्य सेवाओं में नाटकीय रूप से बदलाव देखा है,

खाली मटके में सुरक्षित रहेगा खाना

अगर आप चाहें तो इसका इस्तेमाल सिर्फ पानी रखने के लिए नहीं, बल्कि खाना स्टोर करने के लिए भी कर सकते हैं। इसमें खाना लंबे वक्त तक फ्रेश रहेगा और सड़ेगा भी नहीं, तो आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं। एक वक्त था जब मटका फ्रिज का काम करता था। इसे महिलाएं पानी ठंडा रखने, खाना पकाने के लिए करती थीं। मटके की खास बात यह थी कि इसमें चीजें कुदरत फ्रेश रहती थीं, लेकिन आज इसकी जगह फ्रिज, प्लास्टिक या स्टील की बोतलों ने ले ली है। हालांकि, आज भी कई जगहों पर इसका इस्तेमाल पानी ठंडा रखने के लिए किया जाता है।

अगर आप चाहें तो इसका इस्तेमाल सिर्फ पानी रखने के लिए नहीं, बल्कि खाना स्टोर करने के लिए भी कर सकते हैं। हालांकि, कई लोग बिना धोए खाली मटके में खाना स्टोर कर देते हैं, जिससे उसमें बदबू आने लगती है, फफूंदी जम जाती है या खाना सड़ जाता है। इसकी वजह यह होती है कि मटका अगर अच्छी तरह साफ न हो तो खाना सड़ जाता है। इसलिए खाना मटके में स्टोर करने से पहले अच्छी तरह से साफ कर लें। फिर इसके बाद ही, मटके का इस्तेमाल खाने को स्टोर करने के लिए करें, ताकि उसमें ताजगी बनी रहे। तो देर किस बात की आइए इस लेख में मटके में खाना स्टोर करने के तरीके जानें-

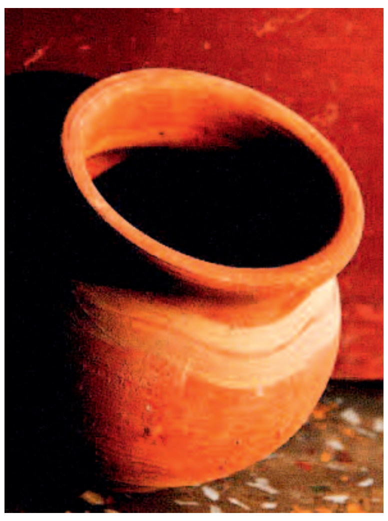

मटका इस्तेमाल करने से पहले करें ये काम

नया मटका हो या पुराना, इस्तेमाल करने से पहले उसे गर्म पानी और नींबू या बेकिंग सोडा से धोकर सुखाएं। इससे मटके में मौजूद बैक्टीरिया और मिट्टी की बदबू दूर हो जाती है। मटके धोने के बाद इसे पूरी तरह से सूखा लें, मटके में अगर खाना रखा जाएगा तो उसमें फंगस लग सकती है। मटके को कम से कम 1 दिन तेज धूप में रखें। इससे उसमें मौजूद नमी और कीटाणु खत्म हो जाएंगे। इसके बाद मटके का इस्तेमाल खाना रखने के लिए करें।

खाना स्टोर करते वक्त ध्यान रखें ये बातें

मटके में खाना स्टोर करने से पहले उसे पूरी तरह ठंडा कर लें। गर्म खाना मटके के अंदर भाप बनाता है, जिससे फंगस लग सकती है।कोशिश करें मटके के ऊपर ढक्कन लगाएं या साफ कपड़े से ढककर रखें। इससे धूल और कीड़े दूर रहेंगे। मटके में दाल, चावल, अचार, भुने हुए स्नैक्स जैसे सूखे आइटम ज्यादा फ्रेश रहते हैं। ज्यादा नमी वाली चीजें जल्दी खराब हो सकती हैं, तो बेहतर होगा कि आप इन चीजों को न रखें। मटके के अंदर 2-3 नीम की पत्तियां या कुछ लौंग रख दें, ताकि उसमें से बदबू बिल्कुल भी न आए और खाना बिल्कुल फ्रेश रहे।

घर में क्रिस्टल ट्री रखने से पहले जरूर जान लें ज्योतिष की राय

घर के वास्तु को अच्छा रखने के लिए हम कई सारी चीजों को अपने घर में लगाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हर कोई चाहता है कि घर का वातावरण पॉजिटिव बना रहे। ऐसे ही कई सारे लोग अपने घर में क्रिस्टल प्लांट जिसे लोग क्रिस्टल ट्री भी कहते हैं इसे घर में रखते हैं। इसे सिर्फ सजावट के लिए नहीं रखा जाता है, बल्कि इसके पीछे वास्तु छिपा है। पंडित जन्मेश द्विवेदी बता रहे हैं इसके पीछे की वजह।-

क्रिस्टल ट्री को घर के किस दिशा में लगाएं

अगर आप अपने करियर या धन में उन्नति पाना चाहते हैं, तो ऐसे में आप इसे अपने घर की उत्तर पश्चिम दिशा में लगाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपके पास कई सारे नए अवसर आएंगे। अगर आपको अपने रिश्तों में मधुरता लानी है, तो इसे आप बेडरूम या लिविंग रूम के दक्षिण पश्चिम दिशा में लगाएं। इससे आपके दांपत्य जीवन में मिठास बनी रहेगी। घर में किसी तरह की कोई दिक्कते चल रही हैं, तो ऐसेमें आप इस ट्री को उत्तर पूर्व कोने में लगाएं। इससे आपके जीवन की परेशानियों को कम करता है। साथ ही, आपके जीवन में नई चीजें होती नजर आएंगी।

क्रिस्टल ट्री लगाते समय इन बातों का रखें ध्यान

क्रिस्टल ट्री लगाने से पहले जरूरी है कि आप अपने पंडित जी से पूछकर इसे अपने घर में लगाएं। तभी आपके घर के वास्तु को यह अच्छा रखेगा। साथ ही, जीवन पर इसका असर नजर आएगा। क्रिस्टल ट्री आप कहीं भी रखें इसकी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। इससे इसकी ऊर्जा पूरे घर में फैलती है। आप इस क्रिस्टल ट्री को किस उद्देश्य के साथ रख रहे हैं। इसका ध्यान रखना जरूरी है। तभी आप इसे सही दिशा में रख पाएंगे। क्रिस्टल ट्री को रखने के लिए आपको इन बातों का खास ध्यान रखना जरूरी होता है।

कार्नर न्यूज

पार्टनर के साथ रिश्ते मजबूत रखने अपनाइए कुछ टिप्स

पार्टनर के साथ रिश्ता निर्भर करता है आपके व्यवहार पर, छोटी-छोटी बातों को पीछे छोड़ना होगी समझदारी

अगर आप चाहते है कि आपके और पार्टनर के बीच प्यार बना रहे तो बात-बात की बहस को समझदारी से हैंडल करना सीखिए। यहां ऐसे पांच तरीके बताए जा रहे है, जिनसे आप ऐसी स्थिति को शांति से संभाल सकते हैं। किसी भी रिश्ते में थोड़ा बहुत बहस होना सामान्य है, लेकिन जब बात-बात पर लड़ाई रोज का हिस्सा बन जाए तो ये रिश्ते की नींव को हिला सकता है। खासकर अगर कपल के बीच हर छोटी बात पर बहस होती हो तो आपको कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। रिश्ते में झगड़ा नहीं, समझदारी जरूरी है। लेकिन अगर आपका पार्टनर हर छोटी बात पर बहस या गुस्सा करता है तो रिश्ता टूटने से पहले कुछ समझदारी भरे कदम उठाना जरूरी है। अगर आप चाहते है कि आपके और पार्टनर के बीच प्यार बना रहे तो बात-बात की बहस को समझदारी से हैंडल करना सीखिए।यहां ऐसे पांच तरीके बताए जा रहे है, जिनसे आप ऐसी स्थिति को शांति से संभाल सकते हैं।

सुनना सीखें, जवाब देना नहीं

अधिकतक लड़ाई या बहस इस कारण होती है कि लोग अपने पार्टनर को सुनते नहीं, बल्कि जवाब देते हैं। झगड़े के दौरान तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय चुपचाप सुनना सीखें। कभी-कभी पार्टनर को सिर्फ अपनी भड़ास निकालनी होती है। उनकी बात सुनकर आप उनका गुस्सा शांत कर सकते हैं लेकिन आपकी तुरंत की गई प्रतिक्रिया विवाद को और बढ़ा सकती है।

भाषा पर नियंत्रण

लड़ाई-झगड़े के दौरान अक्सर लोग अमर्यादित हो जाते हैं और अपनी भाषा पर काबू नहीं रख पाते। तू-तड़ाक की भाषा की उपयोग न करके सम्मान के साथ अपनी बात रखें। इस बात का ध्यान रखें कि पार्टनर पर आरोप लगाने के बजाय मैं पर फोकस करें। जैसे लड़ाई में पार्टनर से ये कहना कि तुम हमेशा ही ऐसा करते हो, विवाद को बढ़ा सकता है। इसके बजाय कहें कि जब ऐसा होता है तो मुझे बुरा लगता है।

लड़ाई की जड़ पहचाने

अगर पार्टनर हर छोटी बात पर गुस्सा करे तो हो सकता है कि आपके पार्टनर पर दफ्तर, परिवार या आर्थिक दबाव हो। वह किसी कारण से तनाव में रहता है और अपने अंदर का गुस्सा व फ्रस्टेशन निकालने के लिए कभी-कभी लड़ाई केवल बहाने से करता है। इसलिए उनके इस बर्ताव का असली कारण जानने का प्रयास करें।

थोड़ी दूरी भी जरूरी है

हर बार बहस में उलझने की बजाय कुछ देर का भावनात्मक स्पेस दें। इससे टकराव कम होता है और सोचने का वक्त मिलता है। पार्टनर के गुस्सा होने या विवाद की स्थिति के बाद थोड़ी दूरी भी जरूरी है। उन्हें इमोशनल और फिजिकल स्पेस दें।

प्रोफेशनल हेल्प लेने में हिचकें नहीं

पार्टनर का ऐसा व्यवहार आपके रिश्ते के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है। कपल थेरेपी या काउंसलिंग आज के दौर में बहुत मददगार है। जब अकेले बात नहीं बने, तो किसी तीसरे को सुनाना असरदार हो सकता है।

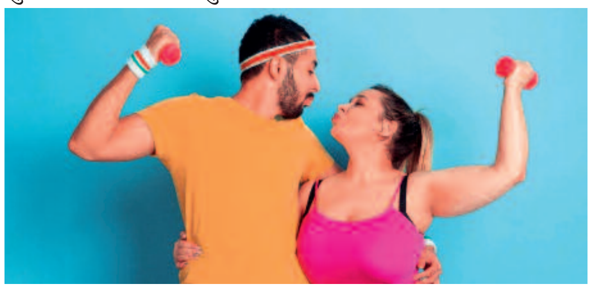

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ब्रैड की वीकएंड पर हुई चांदी, ओपनिंग से ज्यादा कर ली कमाई 'एफ-1' ने

भारत में हॉलीवुड फिल्मों का भी अच्छा-खासा बाजार है। पिछले दिनों हॉलीवुड के नामी एक्टर टॉम क्रूज की फिल्म 'मिशन इंपॉसिबल 8' दुनिया भर के अलावा भारत में रिलीज हुई। 27 जून को हॉलीवुड के फेमस एक्टर ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ-1' भी भारत में रिलीज हुई। अब तक प्राप्त शुरुआती आंकड़ों के अनुसार ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ-1' ने दूसरे दिन 7.36 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। पहले दिन इस फिल्म ने अपना खाता 5.5 करोड़ रुपये से खोला था। इस तरह देखा जाए तो वीकएंड पर यानी शनिवार को इस फिल्म की कमाई में अच्छा-खास उछाल है। रविवार तक फिल्म 'एफ-1' का कुल कलेक्शन भी 12.86 करोड़ रुपये हो चुका था। फिल्म 'एफ-1' की एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, इसमें ब्रैड पिट ने एक रेसर (रेसिंग ड्राइवर) के रोल में हैं। जो तीस साल के बाद फॉर्मूला वन रेसिंग में वापस आता है। वह अपने एक साथी की टीम को टूटने से बचाने के लिए यह फैसला लेता है। फिल्म में रेसिंग सीन कमाल के हैं। जो लोग रेसिंग या रेस ड्राइविंग को पसंद करते हैं, उनके लिए यह फिल्म एक शानदार एक्सपीरियंस है। इस फिल्म में असल फॉमूला वन रेसर लुईस हैमिल्टन भी नजर आए हैं। फिल्म में ब्रैड पिट लीड रोल में हैं, उनके अलावा डैमसन इदरिस, केरी कॉनडन, टोबियास मेंजीस और जेवियर बार्डेम भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। फिल्म को जोसेफ कोसिंस्की ने डायरेक्ट किया है।

टॉलीवुड

चिरंजीवी के फैंस को अभी करना होगा इंतजार, 'विश्वम्भरा' की रिलीज में देरी

साउथ अभिनेता चिरंजीवी इन दिनों अपनी फिल्म 'विश्वम्भरा' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है, लेकिन फिल्म की रिलीज की देरी से चिरंजीवी के फैंस निराश हो गए हैं। खबर के अनुसार, चिरंजीवी की आगामी फंतासी फिल्म विश्वम्भरा की रिलीज में देरी हो रही है। यह बड़े बजट की फिल्म, जो अपनी घोषणा से ही चर्चा में है, अभी तक रिलीज की तारीख तय नहीं कर पाई है। सीजी कार्य में देरी के कारण विश्वम्भरा 2026 की गर्मियों में रिलीज होगी। इससे पहले चिरंजीवी की अनिल रविपुडी के साथ वाली फिल्म रिलीज होगी और फिर विश्वम्भरा गर्मियों के अंत में आएगी। बिम्बिसार के निर्देशक वशिष्ठ द्वारा बनाई गई इस फिल्म में शानदार वीएफएक्स और दमदार अभिनय की उम्मीद है। 'विश्वम्भर' तेलुगु -भाषा फंतासी एक्शन फिल्म है। इस फिल्म को मल्लिडी वशिष्ठ ने लिखा और निर्देशित किया है। इसका निर्माण यूवी क्रिएशन कर रही है। इस फिल्म में चिरंजीवी के अलावा तृषा कृष्णन, कुणाल कपूर और आशिका रंगनाथ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएगी।

छॉलीवुड

'मैं राजा तैं मोर रानी' का प्रदर्शन कल से

छत्तीसगढ़ की बहुप्रतीक्षित और चर्चित फिल्म 'मैं राजा तैं मोर रानी' का प्रदर्शन 4 जुलाई को पूरे प्रदेश में होने जा रहा है। मोहन सुंदरानी प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता विजय सुंदरानी हैं। कथा, पटकथा व संवाद-निर्देशक भूपेन्द्र चंदनियाँ हैं। सह-निर्माता हैं हितेन्द्र सुंदरानी और कार्यकारी निर्माता के रूप में छत्तीसगढ़ के सबसे युवा निर्माता निखिल सुंदरानी। निर्माता विजय सुंदरानी ने बताया कि ₹मैं राजा तैं मोर रानी₹ एक नई कहानी और नए संगीत के साथ छत्तीसगढ़ी सिनेमा को एक नया मोड़ देगी। इस फिल्म में छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार अभिनेता दीपक साहू और सभी दिलों की धड़कन, चुलबुली अभिनेत्री एल्सा घोष की हिट जोड़ी एक बार फिर से दर्शकों को लुभाने के लिए पर्दे पर वापस आ रही है। फिल्म में सहयोगी कलाकारों के रूप में मनोज जोशी, अंजलि सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह ठाकुर, अंशुल अवस्थी, मोहन चौहान, प्रकाश, क्रांति दीक्षित, पप्पू चंद्राकर और संजय जैन जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। इनके साथ-साथ 100 से अधिक अन्य कलाकारों को भी अभिनय का अवसर दिया गया है, जिससे क्षेत्रीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और उन्हें एक व्यापक मंच प्राप्त होगा। सुंदरानी ने आगे बताया कि फिल्म का समस्त पोस्ट प्रोडक्शन कार्य, जिसमें रिकॉर्डिंग, संगीत, डबिंग, मिक्सिंग आदि शामिल हैं, वह रायपुर स्थित श्रेष्ठ स्टूडियो में सम्पन्न हुआ है। फिल्म की शूटिंग पूरी तरह छत्तीसगढ़ की धरती पर हुई है और केवल सेंसर प्रक्रिया मुंबई में की गई है। फिल्म को सेंसर बोर्ड द्वारा बिना किसी कट के 'यू.ए सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। विजय सुंदरानी ने गर्व के साथ बताया कि इस फिल्म से नए निर्देशक भूपेन्द्र चंदनियाँ को निर्देशन, लेखन और संवाद जैसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई, जिसे उन्होंने अत्यंत परिपक्वता से निभाया है। सुंदरानी ने कहा कि भूपेन्द्र चंदनिया छॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक वरदान साबित होंगे और भविष्य में उन्हें बड़े निर्देशकों की श्रेणी में गिना जाएगा। फिल्म निर्माता विजय सुंदरानी ने निर्देशक भूपेन्द्र चंदनियाँ पर अपना विश्वास व्यक्त करते हुए आशा जताई कि यह फिल्म बच्चों से लेकर युवाओं, पुरुषों और महिलाओं तक सभी दर्शकों को बेहद पसंद आएगी।

दिल की नजर से

लाइफ स्टाइल

दृष्टिबाधित लोगों को फैशन की समझ अब ब्रेल के सहारे हो रही है। ब्रेल लिपि पर आधारित डिजाइनर कपड़े दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में इंदाबा इमर्जिंग क्रिएटिव्स कार्यक्रम में पेश किए गए। जहां दृष्टिबाधित लोगों ने ब्रेल के सहारे आसानी से कपड़ों की पहचान कर ली। फैशन की दुनिया में इसे एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

बारिश में झड़ते बालों से परेशान तो घर पर बनाकर लगाएं खास सीरम

बारिश का मौसम शुरू हो गया है, जो अपने साथ कापी सुहाना मौसम लेकर आता है। इस मौसम में लोग अपने परिवार के साथ घूमना पसंद करते हैं और तरह-तरह के पकवानों का लुत्फ उठाते हैं। ये मौसम वैसे तो काफी अच्छा होता है, लेकिन अपने साथ ये तमाम दिक्कतें लेकर आता है। इन दिक्कतों में सबसे अहम परेशानी है बालों का झड़ना। जी हां, बारिश के मौसम में हर दूसरा व्यक्ति हेयर फॉल से परेशान होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बारिश की वजह से हर तरफ नमी हो जाती है, जो हेयर फॉल का मुख्य कारण है।

इसी के चलते आपको एक ऐसा सीरम बनाने की विधि बताएंगे, जिसको लगाने के बाद एक हफ्ते में ही आपको असर दिखने लगेगा। इससे हेयर फॉल में काफी राहत मिलेगी। हेयर सीरम बनाने एलोवेरा जेल– 2 टेबलस्पून,रोजमेरी एसेंशियल ऑयल – 5-6 बूंदें,नारियल तेल – 1 टेबलस्पून, गुलाब जल – 2 टेबलस्पून और विटामिन ई कैप्सूल चाहिए।

सबसे पहले तो एक साफ कटोरे में एलोवेरा जेल निकाल लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा नारियल का तेल मिक्स करें। सभी चीजों की मात्रा का आपको खास ध्यान रखना है, वरना ये असर नहीं करेगा। नारियल का तेल मिक्स करने के बाद कटोरे में एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदे डालें। इसके बाद विटामिन ई का कैप्सूल तोड़ें और उसे भी कटोरे में मिक्स कर दें। सबसे आखिर में कटोरे में आपको गुलाब जल मिक्स करना है। अब जब कटोरे में सब चीजें पड़ गईं हैं तो सभी सामग्री को अच्छी तरह से मिक्स करें। बस ये हेयर सीरम तैयार है, अब इसे एक स्प्रे बोतल या ड्रॉपर बोतल में भर लें।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब बारी आती है इसते सही इस्तेमाल की तो इस नहाने से दो घंटे पहले अपने बालों में लगाना है। अगर ये स्प्रे वाली बोतल में भरा है तो इसे स्कैल्प पर स्प्रे करें। इसके बाद हल्के हाथों से स्कैल्प पर मसाज करें। दो घंटे के बाद बालों को धो लें। आप इसका इस्तेमाल हफ्ते में तीन बार आसानी से कर सकते हैं।

बरतें ये सावधानी

यदि आप इस हेयर सीरम को घर पर तैयार कर रहे हैं तो सबसे पहले पैच टेस्ट करें। पैच टेस्ट में ये चेक करें कि कहीं इस सीरम में डाली गई किसी भी चीज से आपको एलर्जी तो नहीं है। अगर एलर्जी हो रही है तो उस चीज को सीरम में न डालें।

पैंट स्टाइल सूट में पाएं एलिगेंट लुक, जानें कुछ बेस्ट डिजाइंस

ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए सूट बेस्ट ऑप्शन है। हालांकि, बदलते फैशन ट्रेंड के साथ सूट-सलवार आपको कई सारे नए ऑप्शन के साथ मिल जाएंगे। इन सूटस को आप सारे खास मौकों पर स्टाइल करना पसंद करती हैं। लेकिन, अगर आप अपने फैशन में कुछ न्यू ट्विस्ट लाना चाहती हैं, तो पैंट स्टाइल सूट वियर कर सकती हैं। यह सूट न्यू और एलीगेंट लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन है, और इस तरह के सूट में आपका लुक बहुत ही अच्छा लगेगा। हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले पैंट स्टाइल सूट दिखा रहे हैं। इन सूट्स को स्टाइल करने के बाद आपका लुक एलिगेंट और कॉन्फिडेंट लगेगा। साथ ही, सूट्स में आप कंफर्टेबल भी महसूस करेंगी।

प्रिंटेड सूट

सिंपल और अट्रैक्टिव लुक के लिए आप इस तरह के प्रिंटेड सूट स्टाइल कर सकती हैं। ये देखने में काफी अच्छे लगते हैं और इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक भी सुंदर नजर आता है। अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो आप इस तरह के प्रिंटेड पैंट स्टाइल सूट वियर कर सकती हैं। आप इस सूट को बाजार या ऑनलाइन प्लेटफार्म से 1,000 से 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस सूट में अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए आप लॉन्ग गोल्ड प्लेटेड इयरिंग्स वियर कर सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट

किसी खास मौके पर शामिल होने के दौरान आप एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह के सूट पहनने के बाद एक रॉयल टच आता है। इन सूट को आप किसी भी पार्टी या फंक्शन में वियर कर सकती हैं। ये सूट आपको ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी लगभग 2,000 रुपये की कीमत में मिल जाएंगे। इस सूट में अपने लुक को स्टाइलिश टच देने के लिए आप मोजड़ी स्टाइल कर सकती हैं। साथ ही, मिरर वर्क झुमके इस आउटफिट के साथ स्टाइल करने के बेस्ट रहेंगे।

डेड स्किन हटाने बेस्ट हैं नेचुरल स्क्रब

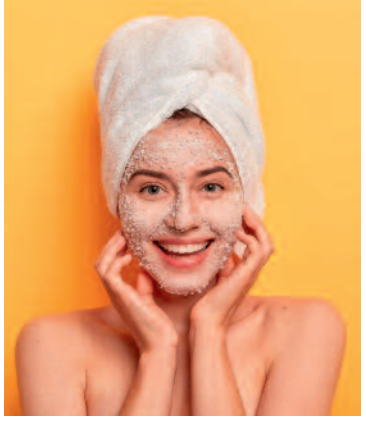

आपने देखा होगा अक्सर बदलते मौसम फेस की स्किन पर डेड स्किन नजर आने लगती हैं। वैसे तो यह आपके हाथ-पैर हर जगह देखने को मिलती हैं, लेकिन चेहरे पर डेड स्किन ज्यादा नजर आती है। ऐसे में पूरे फेस की रंगत ही बदल जाती है। आप भी लगाकर डेड स्किन को अपने फेस से हटा सकती हैं। इससे आपकी स्किन को किसी तरह का कोई नुकसान भी नहीं होगा और आपकी स्किन चमकने लग जाएगी। चावल का आटा और पपीता जेल का स्क्रब बनाने आवश्यक सामग्री 4 चम्मच चावल का आटा,2 चम्मच पपीते का जेल, 1 चम्मच गुलाब जल चाहिए। आपको एक कटोरी में सबसे पहले कच्चे चावल लेने हैं। अब इनको साफ करके मिक्सी जार में डालकर पीस लें। इसके बाद चावल को छान लेना है। अब इस पिसे हुए चावल में आपको पपीते का जेल डालकर मिक्स करना है। आखिर में आप गुलाब जल मिलाकर स्क्रब तैयार करें। इस तैयार स्क्रब को आप फेस पर अप्लाई करते हुए करीब 5 मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें। इसके बाद आपको नार्मल पानी से फेस को वॉश कर लेना है। चीनी, मिल्क पाउडर, कॉफी और एलोवेरा जेल का स्क्रब बनाने आवश्यक सामग्री 2 चम्मच चीनी, 1 चम्मच मिल्क पाउडर, 1/2 कॉफी पाउडर और एक चम्मच एलोवेरा जेल चाहिए। आपको एक बाउल में चीनी लेनी है। आप चाहे तो चीनी की हल्का दरदरा कर सकती हैं। अब इसमें आपको मिल्क पाउडर डालकर मिला लेना है। इसके बाद इस मिश्रण में आपको कॉफी पाउडर डालना है।फिर आप इस मिश्रण में एलोवेरा जेल डालकर मिलाएं। इस तैयार स्क्रब को आप फेस पर हल्के हाथों से 5-7 मिनट तक मसाज करें। इसके बाद आपको नॉर्मल पानी से अपना फेस धो लेना है।

पार्लर जैसा निखार पाएं घर पर ही पैरों की टैनिंग हटेगी देसी नुस्खे से

चेहरे को खूबसूरत बनाने के साथ-साथ महिलाएं हर छोटी-छोटी चीजों का बहुत ध्यान रखती है। ऐसे में हाथ और पैर पर टैनिंग होना एक आम समस्या है। अगर आप भी इस समस्या से राहत पाना चाहती हैं, तो यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है।

आपको एक्सपर्ट के बताएं एक ऐसे घरेलू उपाय के बारे में बताएंगे, जिसकी मदद से आप अपने पैरों की टैनिंग को कम कर सकती हैं।

पैरों की टैनिंग को कम करने के उपाय

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक पैरों पर होने वाली टैनिंग आपकी खूबसूरती को कम कर सकती है। इससे बचने के लिए आप घर पर एक खास उपाय आजमा सकती हैं।

आप कॉफी का इस्तेमाल कर पैरों की टैनिंग को कम कर सकती हैं। इस उपाय को करने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी। स्क्रब बनाने के लिए सामग्री नींबू ,दही,शहद और कॉफी चाहिए। इससे आपको जादुई तरीके से फायदा होगा।

कॉफी से स्क्रब बनाने का तरीका

पैरों की टैनिंग को कम करने के लिए अगर आप कॉफी से स्क्रब बना रही हैं, तो सबसे पहले एक कंटेनर में कॉफी निकाल लें। अब कॉफी वाले इस कंटेनर में दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद मिला दे। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद आप इसमें कुछ नींबू के रस की भी शामिल कर दें। अब आपका पैरों के लिए स्क्रब तैयार हो गया है। इस स्क्रब से आप अपने पैरों को क्लीन कर सकती हैं।आप एक हफ्ते में दो से तीन बार इस स्क्रब का इस्तेमाल करें।

कार्नर न्यूज

जानिए 30 के पार लोगों के लिए कॉस्मेटिक से जुड़े उपाय

एक उम्र के बाद कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट को लेकर उलझन है तो अपनाएं कुछ आसान उपाय, वरना होगा पछतावा

हर समय त्वचा खिली-खिली और जंवा दिखे ये जरूरी नहीं है, क्योंकि समय के साथ-साथ स्किन में काफी बदलाव होते हैं। खासतौर पर जब उम्र 30 के आस-पास होती है तो हार्मोन्स के बदलाव की वजह से त्वचा भी काफी डल होने लगती है। इस उम्र के बाद स्किन पर झुर्रियां दिखने लगती हैं। यही कारण है कि समय से पहले ही आप बूढ़ी नजर आने लगती हैं। ऐसे में त्वचा का सही से ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। यदि आपकी उम्र भी 30 के आस-पास है तो कुछ खास कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स को अपने डेली रूटीन में शामिल करें। ऐसा करने पर आपकी स्किन जंवा दिखेगी। तो आइए बिना देर किए आपको इन पांच स्किन केयर प्रोडक्ट के बारे में बताते हैं।

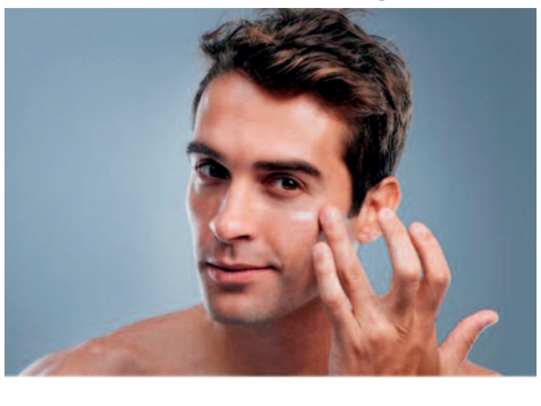

सनस्क्रीन

आज के समय में सनस्क्रीन हर किसी के पास होनी ही चाहिए। खासतौर पर जिन लोगों की उम्र 30 के आस-पास है, उन्हें तो हर दो से तीन में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि सूरज की किरणें स्किन को सबसे ज्यादा डैमेज करती हैं, जिससे झुर्रियां और पिग्मेंटेशन जल्दी आने लगती हैं। इसे खरीदते समय ध्यान रखें कि ये सनस्क्रीन कम से कम 50 एसपीएफ वाली होनी चाहिए।

विटामिन सी सीरम

ये स्किन की कई परेशानियों न सिर्फ कम करता है, बल्कि जड़ से भी खत्म करता है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा के दाग-धब्बे कम होते हैं। तो अपने डेली रूटीन में विटामिन सी का सीरम इस्तेमाल करें। इस्तेमाल से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य कर लें, ताकि किसी तरह की परेशानी बाद में न हो। इस्तेमाल के लिए हर सुबह क्लीनजिंग के बाद और मॉइस्चराइज़र से पहले सीरम की 2-3 बूंद लगाएं।

नाइट क्रीम

हर किसी के लिए नाइट क्रीम काफी जरूरी होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि रात के समय में त्वचा खुद को हील करती है, जिससे स्किन संबंधी कई परेशानियां दूर होती हैं। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से त्वचा पर नाइट क्रीम अप्लाई करेंगी तो इस कारण आपकी त्वचा पर ये ज्यादा असर करेगी और दिक्कतों को दूर करेगी।

हायालूरॉनिक एसिड वाला मॉइस्चराइजर

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो आज के समय में मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल न करता हो। पर, अगर आप 30 की उम्र में हायालूरॉनिक एसिड वाला मॉइस्चराइजर इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपकी स्किन ज्यादा खिल उठेगी। दरअसल, उम्र के साथ स्किन की नमी कम होती है, जिससे स्किन रूखी और थकी हुई लगती है। ऐसे में हायालूरॉनिक एसिड स्किन को गहराई से हाइड्रेट करता है।

आई क्रीम

समय के साथ-साथ आंखों के नीचे काले घेरे आने लगते हैं, जिससे चेहरे की सुंदरता कम होने लगती है। ऐसे में हर दिन आई क्रीम का इस्तेमाल करें। आई क्रीम आपकी त्वचा को डार्क सर्कल्स, फाइन लाइन्स और पफीनेस से बचाने में मदद करती है।